NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 277 लखनऊ, मंगलवार 02 जून 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना के 6 साल पूरे होने पर उसकी सराहना की

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना के 6 साल पूरे होने पर उसकी सराहना की, जिसने स्ट्रीट वेंडरों को वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण प्रदान किया है। यह योजना किफायती और बिना गारंटी वाले ऋण उपलब्ध कराकर लाखों विक्रेताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाई है, जिससे उनकी आजीविका मजबूत हुई है। सोमवार को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना की छठी वर्षगांठ के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्ट्रीट वेंडरों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में शामिल करने में कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना श्विश्वास, सम्मान और सशक्तिकरणश पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट में बताया कि कैसे इस पहल ने किफायती और श्बिना गारंटी वाले ऋणश की सुविधा देकर अनगिनत स्ट्रीट वेंडरों को सशक्त बनाया है।प्रधानमंत्री ने लिखा कि आज हम 6ल्मंतेवच्डिैट।छपकीप मना रहे हैं, एक ऐसी योजना जिसने

बिना गारंटी वाले ऋण, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर प्रदान करके अनगिनत स्ट्रीट वेंडरों के जीवन को बदल दिया है। पोस्ट में आगे लिखा था कि यह योजना विश्वास, सम्मान और सशक्तिकरण पर आधारित है। सभी लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनकी दृढ़ता और उद्यमशीलता हमारे देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है।इस बीच, एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पीएम स्वनिधि भारत की अनौपचारिक शहरी अर्थव्यवस्था में कार्यरत विक्रेताओं को सहायता प्रदान करने वाली एक प्रमुख पहल के रूप में उभरी है। बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराने के अलावा, इस योजना ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया है, संस्थागत ऋण तक पहुंच में सुधार किया है और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार किया है। 2020 में शुरू होने के बाद से अब तक 1.12 करोड़ से अधिक ऋण वितरित किए जा चुके हैं। इस पहल से शहरों और कस्बों में 75 लाख से अधिक लाभार्थियों को लाभ मिला है। योजना के तहत 17,800 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण प्रदान किए गए हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसका प्रभाव न केवल आधिकारिक आंकड़ों में बल्कि विक्रेताओं के दैनिक जीवन में भी दिखाई देता है, जो मजबूत और अधिक टिकाऊ आजीविका का निर्माण कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, इस योजना ने देशभर के शहरों और कस्बों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। 75.5 लाख से अधिक लाभार्थियों ने 17,800 करोड़ रुपये से अधिक के 1.12 करोड़ से अधिक ऋण का लाभ उठाया है।

विद्यालयों में कागजों पर नहीं चलेगी लाइब्रेरी, पुस्तकों की आपूर्ति व भुगतान का सत्यापन कराएगी योगी आदित्यनाथ सरकार

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।समग्र शिक्षा एवं पीएम श्री योजना के अंतर्गत इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्राप्त स्वीकृति के क्रम में चयनित परिषदीय विद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए क्रय की गई पुस्तकों की आपूर्ति एवं भुगतान संबंधी विवरणों का जनपदवार सत्यापन कराने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने सभी जिलों को विस्तृत दिशा–निर्देश जारी करते हुए निर्धारित प्रारूप पर प्रमाणित विवरण उपलब्ध कराने को कहा गया है।विद्यालय पुस्तकालयों को सशक्त बनाने पर जोरप्रदेश सरकार विद्यालयों में पुस्तकालयों और पठन–पाठन संसाधनों को मजबूत बनाने पर विशेष बल दे रही है। विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने, ज्ञान के दायरे का विस्तार करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण तैयार करने के लिए विद्यालयों में विभिन्न प्रकार की पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी उद्देश्य से क्रय की गई पुस्तकों की आपूर्ति और भुगतान संबंधी अभिलेखों की समीक्षा कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा, ताकि संसाधनों का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप सुनिश्चित हो सके।तथ्य आधारित समीक्षा पर है सरकार का फोकसजारी निर्देशों के अनुसार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को चयनित प्रकाशकों एवं आपूर्तिकर्ताओं से उपलब्ध कराए गए विवरणों का जनपद स्तर पर उपलब्ध अभिलेखों से मिलान करना होगा। सत्यापन के उपरांत प्रमाणित विवरण शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर शासन स्तर पर समीक्षा की जाएगी, जिससे पुस्तकों की आपूर्ति और भुगतान संबंधी व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का स्पष्ट आकलन हो सकेगा। साथ ही भविष्य में संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और प्रभावी उपयोग के लिए भी ठोस आधार तैयार होगा।पारदर्शिता और

जवाबदेही को नई मजबूतीख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते वर्षों में शिक्षा विभाग में तकनीक आधारित मॉनिटरिंग, ऑनलाइन ट्रैकिंग, डेटा आधारित अनुश्रवण और जवाबदेही पर आधारित कार्यसंस्कृति को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है। पुस्तकों की आपूर्ति एवं भुगतान संबंधी विवरणों के सत्यापन की यह पहल उसी श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसका उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ–साथ उनके वास्तविक परिणामों की निगरानी को भी मजबूत बनाना है। योगी आदित्यनाथ सरकार की स्पष्ट नीति है कि शिक्षा से जुड़े प्रत्येक संसाधन का लाभ विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे और योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की विसंगति की गुंजाइश न रहे। सत्यापन की इस प्रक्रिया से प्रशासनिक जवाबदेही को और मजबूती मिलेगी, साथ ही यह सुनिश्चित होगा कि विद्यालयों के लिए उपलब्ध कराए गए शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप हो रहा है।

अमरनाथ यात्रा से पहले जम्मू में हाई-लेवल सुरक्षा चप्पे-चप्पे पर रहेगी पैनी नजर

एजेंसी।

दिल्ली। आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के संभागीय आयुक्त और आईजीपी ने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य तैयारियों की गहन समीक्षा की, जिसमें भगवती नगर बेस कैंप में पंजीकरण, आरएफआईडी और आवास सुविधाओं का निरीक्षण कर यात्रा को सुगम बनाने पर जोर दिया गया। अगले महीने शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस साल 57 दिनों की अमरनाथ तीर्थयात्रा 3 जुलाई को दो मार्गों, अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान–पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा छोटा लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बाल्टल मार्ग से शुरू होगी। यह तीर्थयात्रा श्रावण मास की पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन पर 28 अगस्त को समाप्त होगी।अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने भगवती नगर आधार शिविर का दौरा किया और पंजीकरण काउंटर, आरएफआईडी केंद्र, आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा

और सुरक्षा सहित तैयारियों की समीक्षा की। कुमार ने कहा कि भगवती नगर में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं, जो वार्षिक यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मुख्य आधार शिविर के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा, ''इस निरीक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर तैयारियों की समीक्षा करना और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना था। पंजीकरण सुविधाओं, आरएफआईडी सेवाओं, स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वच्छता व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया।''संभागीय आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यों को समय पर पूरा करने और तीर्थयात्रा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ चर्चा की गई। आईजीपी ने सुरक्षा बलों की तैनाती योजना की समीक्षा की और सभी ठहरने के केंद्रों पर उचित रोशनी की व्यवस्था और यात्रा के निर्धारित समय का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया। टूटी ने कठुआ और सांबा जिलों में सुरक्षा संबंधित तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर अधिकतम सतर्कता बनाए रखने तथा निगरानी उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया। पुलिस महानिरीक्षक ने लखनपुर में आधार शिविर, यात्री निवास केंद्र और आगंतुक स्वागत सुविधाओं का निरीक्षण किया, साथ ही सुरक्षा तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, पहुंच नियंत्रण प्रणाली, तलाशी व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। इसके बाद कठुआ के जिला पुलिस लाइन में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई जहां कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहिता शर्मा ने अधिकारियों को निगरानी उपायों, काफिले के प्रबंधन, त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी) की तैनाती और आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं के बारे में जानकारी दी। आईजीपी ने तीर्थयात्रियों के साथ सुरक्षा प्रोटोकॉल और पेशेवर व्यवहार का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया।

पुलिस हिरासत से कैदी छुड़ाने का प्रयास विक्रम मजीठिया पर एफआईआर घर पर पुलिस का छापा

एजेंसी।

पंजाब पुलिस ने अकाली दल नेता बिक्रम मजीठिया के अमृतसर स्थित आवास पर मजीठा पुलिस स्टेशन पर हमले और एक कैदी को छुड़ाने के प्रयास के मामले में छापा मारा। हालांकि, पुलिस को मजीठिया घर पर नहीं मिले और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, मजीठिया उस गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा थे जिसने पुलिस स्टेशन में घुसकर जोबनप्रीत को छुड़ाने का प्रयास किया था। पंजाब पुलिस ने सोमवार को अमृतसर में शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के घर पर छापा मारा। यह छापा मजीठा पुलिस स्टेशन पर हुए हमले के सिलसिले में मारा गया, जहां कथित तौर पर पुलिस हिरासत से एक कैदी को छुड़ाने का प्रयास किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि मजीठिया और एफआईआर में नामजद अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीमें भेजी गई थीं।यह अभियान बिना किसी गिरफ्तारी के समाप्त हो गया क्योंकि पुलिस टीम के पहुंचने पर मजीठिया कथित तौर पर अपने घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस के अनुसार, बिक्रम मजीठिया उन गैरकानूनी लोगों के समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने रविवार को मजीठा पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिए गए जोबनप्रीत को छुड़ाने का प्रयास किया था। पंजाब पुलिस ने आरोप लगाया है कि भीड़ पुलिस स्टेशन परिसर में घुस गई, हंगामा किया, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और जबरन हिरासत में लिए गए व्यक्ति को छुड़ा लिया, जिससे सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोहेल मीर ने पत्रकारों को बताया कि 30 मई को मजीठा पुलिस स्टेशन में दर्ज केस नंबर 90 में, हमने जोबनप्रीत नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया और औपचारिक रूप से उसे हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ के दौरान, सुबह करीब 11:30 बजे, उसे छुड़ाने के लिए पुलिस स्टेशन के सामने भीड़ जमा हो गई। वे जबरन, गैरकानूनी रूप से और

पूर्व नियोजित साजिश के तहत पुलिस स्टेशन में घुस गए और पुलिस को धमकाया।उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने पुलिस स्टेशन के कई कमरों की तलाशी ली और फिर पूछताछ कक्ष में घुस गए। उन्होंने उसे हथियारों से धमकाया, कुछ केस फाइलों को नुकसान पहुंचाया और जबरन उसे पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया। एसएचओ और डीएसपी मौके पर पहुंचे और उनसे बातचीत करने की कोशिश की। फिर भी उन्होंने उसे खींचकर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस उसे वापस हिरासत में लेने में कामयाब रही और उसे लॉकअप में डाल दिया।एसएसपी मीर ने कहा कि इस घटना का संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है और हम विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ममता बनर्जी का बागियों को कड़ा संदेश संदीप साहा और रितब्रत बनर्जी टीएमसी से निष्कासित

एजेंसी।

बंगाल। तृणमूल कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में संदीपन साहा और रितब्रत बनर्जी को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई विधायकों के ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई बैठक से अनुपस्थित रहने और पार्टी के हितों के खिलाफ बयान देने के बाद की गई, जो पश्चिम बंगाल में टीएमसी के भीतर बढ़ते असंतोष को दर्शाता है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को अपने दो विधायकों, संदीपन साहा और ऋतब्रता बनर्जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद टीएमसी के सत्ता से बेदखल होने के बाद पार्टी नेताओं के बीच बढ़ते असंतोष के बीच आया है। एक बयान में, टीएमसी ने कहा कि साहा और बनर्जी रविवार को पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित कालीघाट आवास पर बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं हुए। बयान में यह भी कहा गया कि दोनों नेताओं द्वारा ऐसे बयान दिए गए हैं जो तृणमूल के हितों के लिए हानिकारक हैं।टीएमसी के बयान में कहा गया कि मामले पर उचित विचार करने के बाद, एआईटीसी के सक्षम प्राधिकारी ने आपको तत्काल प्रभाव से पार्टी की (प्राथमिक) सदस्यता से निष्कासित करने का निर्णय लिया है। परिणामस्वरूप, इस नोटिस के जारी होने की तिथि से आप पार्टी से संबंधित किसी भी पद, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार से मुक्त हो जाएंगे। पूर्व राज्यसभा सांसद रितब्रता, जो 2017 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से टीएमसी में शामिल हुए थे, उलुबेरिया पुरबा निर्वाचन क्षेत्र से पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार रुद्र प्रसाद बनर्जी को 11,800 से अधिक वोटों के अंतर से हराया था।संदीपन की बात करें तो, वे एंटाली से विधायक हैं। टीएमसी के पूर्व विधायक स्वर्ण कमल साहा के पुत्र संदीपन ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की प्रियंका

तिबरेवाल को 34,000 से अधिक वोटों से हराया था। संदीपन और रितब्रता दोनों उन 60 विधायकों में शामिल थे जो रविवार की बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पहले दिन में, संदीपन ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि ममता के आवास पर बैठक उचित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना बुलाई गई थी। उन्होंने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से फर्जी हस्ताक्षर जांच पर भी सवाल उठाया। संदीपान ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि इससे पहले एक बैठक हुई थी। उसमें पार्टी नेता, उपनेता और मुख्य सचेतक के पद को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया था। अब, सत्ता में 15 साल रहने के बावजूद, इस प्रस्ताव को विधानसभा में प्रक्रिया का पालन किए बिना प्रस्तुत किया गया। फिर, प्रोटोकॉल के अनुसार प्रक्रिया का पालन न होने के कारण इसकी जांच की गई।

मध्य प्रदेश में यजीसी लागू होगी, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जनता से मांगे सुझाव

एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य में जल्द ही समान नागरिक संहिता (न्ब्) लागू करने की घोषणा की है। उन्होंने जनता से एक नवनिर्मित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सुझाव साझा करने का आग्रह किया, यह तर्क देते हुए कि यूसीसी कानूनी और सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक मतभेदों की आवश्यकता को समाप्त करेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य में जल्द ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी और उन्होंने नागरिकों से नवनिर्मित ऑनलाइन परामर्श पोर्टल के माध्यम से अपने विचार साझा करने का आग्रह किया। मीडिया को दिए एक बयान में यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित छह सदस्यीय समिति राज्य में यूसीसी के कार्यान्वयन पर धार्मिक नेताओं के मत एकत्र करेगी।मोहन यादव ने कहा कि आज के समय में धार्मिक, सामाजिक या पारिवारिक मतभेदों की कोई आवश्यकता नहीं हैय यूसीसी की ओर बढ़ने की आवश्यकता है, और मैं जनता से वेबसाइट पर अपने सुझाव साझा करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि चाहे महिलाओं से जुड़े तलाक के मामले हों, पारिवारिक परंपराएं हों या विभिन्न धार्मिक प्रथाएं हों, कानूनी और सामाजिक भेदभाव की कोई आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्यों ने पहले ही इस संहिता के लिए रूपरेखा अपना ली है और मध्य प्रदेश भी जल्द ही इसका अनुसरण करेगा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रसाद देसाई की अध्यक्षता में गठित समिति वर्तमान में विभिन्न जिलों का दौरा कर सभी समुदायों के हितधारकों से सुझाव एकत्र कर रही है। यादव ने कहा कि अपनी रिपोर्ट तैयार करने के बाद समिति एक मसौदा विधेयक प्रस्तुत करेगी। राज्य सरकार यथाशीघ्र समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए उत्सुक है।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों, सामाजिक समूहों और धार्मिक संगठनों से इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यूसीसी के संबंध में एक वेबसाइट शुरू की गई है। मैं जनता से अपने सुझाव साझा करने का आग्रह करता हूं।

अंतरराष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस और विश्व दुग्ध दिवस पर बोले केशव मौर्य, बच्चों की सुरक्षा और श्वेत क्रांति में महिलाओं की भूमिका को सराहा

लखनऊ, 1 जून। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अंतरराष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस और विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनका सुरक्षित, स्वस्थ एवं स्वर्णिम बचपन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनाए रखने में करोड़ों पशुपालकों, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों की दीदियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार बच्चों के संरक्षण और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मिशन वात्सल्य के माध्यम से अनाथ, बेसहारा और संकटग्रस्त बच्चों को पारिवारिक वातावरण और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत कोविड काल या अन्य परिस्थितियों में माता–पिता को खो चुके बच्चों को प्रतिमाह चार हजार रुपये की सहायता, निःशुल्क शिक्षा तथा बालिकाओं के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पोषण अभियान के अंतर्गत प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। हॉट कुक्ड मील योजना के जरिए बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कुपोषण में कमी आई है। इसके अलावा ऑपरेशन कायाकल्प के तहत एक लाख पैंतीस हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं और आधुनिक संसाधनों का विकास किया गया है। बाल श्रम और बाल विवाह के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है तथा पॉक्सो अदालतों के माध्यम से बच्चों के खिलाफ अपराधों में त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है।विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बन चुका है और वैश्विक दुग्ध उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि देश के कुल दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान लगभग 15 से 16 प्रतिशत है तथा प्रदेश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 33 मिलियन टन से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है।केशव मौर्य ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाएं डेयरी क्षेत्र की रीढ़ बन चुकी हैं। बुंदेलखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा संचालित दुग्ध उत्पादक कंपनियां श्वेत क्रांति को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि हजारों गांवों में महिलाएं स्वचालित दुग्ध संकलन केंद्रों का संचालन कर रही हैं, जहां दूध की जांच, तौल और भुगतान की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं दुग्ध उत्पादन के साथ–साथ आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पुष्टाहार निर्माण का कार्य भी कर रही हैं। इससे बाल पोषण और महिला सशक्तीकरण दोनों लक्ष्यों को एक साथ बल मिला है। उन्होंने कहा कि जब गांव की एक महिला सशक्त होती है तो पूरा परिवार और आने वाली पीढ़ियां सशक्त होती हैं।

प्रेम विवाह का विरोध करने पर सब्जी विक्रेता पर चापड़ से हत्या

आरोपी फरार, तलाश जारी

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के डेरा चकिया गांव में सोमवार तड़के 55 वर्षीय किसान तिलकधारी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। परिजन ने गांव के ही एक व्यक्ति पर आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि हाल में किसान के बेटे ने गांव की लड़की के साथ कोर्ट मैरिज की थी। लड़की के परिवार से विवाद चल रहा था, जो घटना की वजह हो सकता है। आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार घूरपुर थाना क्षेत्र के डेरा चकिया निवासी तिलकधारी गांव में खेती कर परिवार का भरण पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी, पांच बेटियां और दो बेटे हैं। पुलिस के अनुसार, 20 मई को गांव निवासी गंगा प्रसाद की बेटी सुहानी, तिलकधारी के भाई अर्जुन के बेटे शिवम के साथ चली गई थी। बाद में दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। इस घटना के बाद दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ गया था और कई बार विवाद की स्थिति बनी। हालांकि गांव के लोगों और रिश्तेदारों की पहल पर दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिशें भी चल रही थीं, लेकिन मनमुटाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था।रविवार रात करीब 10 बजे गंगा प्रसाद, तिलकधारी के घर पहुंचा। यहां दोनों पक्षों के बीच विवाद सुलझाने को लेकर बातचीत शुरू हुई। परिजन के मुताबिक करीब दो घंटे तक चली चर्चा के दौरान माहौल फिर गर्म हो गया और दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। आरोप है कि विवाद के बाद गंगा प्रसाद वहां से चला गया, लेकिन जाते समय तिलकधारी को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देकर गया था।परिजनों के अनुसार सोमवार तड़के करीब 2 बजे गंगा प्रसाद दोबारा उनके घर पहुंचा और चापड़ से तिलकधारी के सिर पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल तिलकधारी को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।सहायक पुलिस आयुक्त कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया कि चकिया गांव में मारपीट की सूचना मिली थी। जांच में सामने आया है कि गांव निवासी गंगा प्रसाद ने तिलकधारी पर धारदार हथियार से हमला किया था। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

बिजली बिल में बढ़ोतरी को लेकर अखिलेश यादव का हमला, बोले- भाजपा लगा रही 'इलेक्शन सरचार्ज'

लखनऊ,समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में बिजली बिलों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली के बिल के नाम पर भाजपा सरकार वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के खर्चों की व्यवस्था के लिए ष्इलेक्शन सरचार्जष लगा रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि जून माह से आने वाले बिजली बिलों को देखकर लोगों की आंखों के आगे अंधेरा छा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली के बिल में भाजपा का कमीशन बढ़ा है और सरकार महंगाई बढ़ाकर जनता की जेब काटने का काम कर रही है। उनका कहना था कि प्रदेश और देश में पहले से ही महंगाई चरम पर है, इसके बावजूद भाजपा सरकार लगातार कीमतों में वृद्धि कर रही है, जिससे आम जनता परेशान और त्रस्त है।सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार कभी डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ाती है तो कभी गैस सिलेंडर और बिजली की दरों में वृद्धि करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। चुनाव के दौरान महंगाई कम करने के वादे किए गए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद लगातार महंगाई बढ़ाई जा रही है।उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां आम जनता की बजाय पूंजीपतियों के हित में बनाई जाती हैं। भाजपा सरकार गरीबों और किसानों की जेब से पैसा निकालकर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाती है और बाद में उनसे कमीशन तथा चंदा प्राप्त करती है। उन्होंने भाजपा को गरीब और किसान विरोधी बताते हुए कहा कि प्रदेश की जनता वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी, तभी महंगाई से राहत मिल सकेगी।अखिलेश यादव ने दावा किया कि बढ़ती महंगाई, बिजली बिलों में वृद्धि और जनविरोधी नीतियों के कारण जनता में भाजपा सरकार के प्रति व्यापक असंतोष है, जिसका असर आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा।

गलत अभिलेखों के आधार पर बीए में लिया प्रवेश

इविवि की छात्रा पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एक छात्रा ने अपनी शैक्षणिक योग्यता छिपाकर दोबारा बीए फर्स्ट ईयर में एडमिशन ले लिया। एमए की डिग्री हासिल करने के बाद भी उसने तथ्यों को छिपाया और दस्तावेजों का गलत तरीके से इस्तेमाल करते हुए ऐसा किया। इविवि प्रशासन की ओर से कर्नलगंज थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। इससे पहले छात्रा को इविवि से निकाला भी जा चुका है।इस मामले में एफआईआर प्रभारी प्रॉक्टर डॉ. अतुल नारायण सिंह की तहरीर पर लिखी गई है। उन्होंने बताया, सौम्या कोटार्य करछना की रहने वाली है। उसने सत्र 2025–26 में बीए फर्स्ट ईयर में एडमिशन लिया। बाद में हुई जांच में पता चला कि वह पहले ही सत्र 2018–21 में जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज से बीए तथा सत्र 2021–23 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र विषय में एमए की डिग्री प्राप्त कर चुकी हैं। इसके बावजूद उसने फिर से बीए फर्स्ट ईयर में एडमीशन लिया। मामले की जानकारी मिलने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच के लिए दो कमेटियां बनाईं। उसके शैक्षिक दस्तावेजों और प्रवेश संबंधी दस्तावेजों की गहनता से जांच की गई। इसमें कई गंभीर फैक्ट्स सामने आने के बाद डिसिप्लनरी एक्शन का प्रॉसेस शुरू किया गया। चीफ प्रॉक्टर डॉ. अतुल नारायण सिंह ने बताया कि निष्कासन और एफआईआर से पहले छात्रा को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया गया। पहले उसे शोकॉज नोटिस जारी किया गया, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। इसके बाद आरोप पत्र दिया गया, जिसके जवाब में भी वह आरोपों का उचित खंडन नहीं कर पाई। सभी तथ्यों और जांच रिपोर्टों के आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने उसके निष्कासन का निर्णय लिया। जांच में यह भी सामने आया कि छात्रा ने प्रवेश के लिए मोती लाल नेहरू इंटर कॉलेज से जारी स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) की द्वितीय प्रति का उपयोग किया था। विश्वविद्यालय का दावा है कि इसी संस्थान के मूल टीसी के आधार पर पहले भी स्नातक में प्रवेश लिया जा चुका था। आरोप है कि यह कृत्य अभिलेखों से छेड़छाड़, जालसाजी और दस्तावेजों के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है।विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलानुशासक डॉ. अतुल नारायण सिंह की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर कर्नलगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बारिश में नहाते समय गिरी मकान की नींव, 12 वर्षीय बालक की मौत

लखनऊ, रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम युसूफ खेड़ा मजरा गोपालपुर में एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। बारिश के दौरान मकान की नींव का हिस्सा अचानक भरभराकर गिरने से बालक उसकी चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।पुलिस के अनुसार अनमोल रावत (12), पुत्र सुरेश रावत, अपने घर के बाहर बनी नींव के पास बारिश में नहा रहा था। इसी दौरान लगातार हो रही वर्षा के कारण नींव के नीचे की मिट्टी बह गई, जिससे नींव का हिस्सा अचानक ढह गया। मलबे की चपेट में आने से अनमोल गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में अफरा–तफरी मच गई। परिजन तत्काल घायल बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बालक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।सूचना मिलने पर रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण कई कच्चे और पुराने निर्माणों की नींव कमजोर हो गई है। इस हादसे ने एक बार फिर बरसात के मौसम में जर्जर निर्माणों और कमजोर संरचनाओं के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता को उजागर किया है। बालक की असमय मौत से परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है।

बीबीएयू के वैज्ञानिकों को ल्यूपस नेफ्राइटिस की नई दवा के लिए भारतीय पेटेंट, गंभीर किडनी रोग के उपचार में खुल सकती है नई राह

लखनऊ, (आरएनएस)। बीबीएयू के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए ल्यूपस नेफ्राइटिस जैसी गंभीर किडनी बीमारी के उपचार के लिए विकसित एक नवीन दवा यौगिक के लिए भारतीय पेटेंट प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. युसूफ अख्तर, उनकी शोधार्थी डॉ. गरिमा सिंह तथा रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. जवाहरलाल जाट के नेतृत्व में किए गए इस शोध को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी सफलता माना जा रहा है।विश्वविद्यालय के कुलपति ंत्र ज्ञनउंत डपजजंस ने शोध दल को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और भविष्य में गंभीर बीमारियों के उपचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।शोधकर्ताओं ने अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल ड्रग डिस्कवरी तकनीक का उपयोग करते हुए 1.55 लाख से अधिक दवा–सदृश यौगिकों की जांच की। लंबी वैज्ञानिक प्रक्रिया के बाद थ्च्ब्–024 नामक यौगिक को सबसे प्रभावी और सुरक्षित उम्मीदवार के रूप में चुना गया। इसके बाद प्रयोगशाला में इसका सफल संश्लेषण किया गया तथा विभिन्न जैविक परीक्षणों के माध्यम से इसकी प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन किया गया।वैज्ञानिकों के अनुसार पारंपरिक रूप से किसी नई दवा की खोज में पांच से दस वर्ष का समय और करोड़ों रुपये की लागत आती है, लेकिन कम्प्यूटेशनल तकनीक के प्रयोग से यह प्रक्रिया कुछ महीनों में पूरी की जा सकी। प्रारंभिक जांच में 1,55,771 यौगिकों को क्रमशः घटाकर 302, फिर 51 और अंततः तीन संभावित उम्मीदवारों तक सीमित किया गया, जिनमें थ्च्ब्–024 सबसे प्रभावी साबित हुआ।ल्यूपस नेफ्राइटिस सिस्टेमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (एसएलई) नामक स्व–प्रतिरक्षी रोग की एक गंभीर जटिलता है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से किडनी पर हमला करने लगती है। इससे किडनी को गंभीर क्षति पहुंच सकती है और समय पर उपचार न मिलने पर रोगी की मृत्यु भी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार विश्वभर में लगभग 50 लाख लोग किसी न किसी रूप में ल्यूपस से प्रभावित हैं। महिलाओं में यह बीमारी पुरुषों की तुलना में लगभग नौ गुना अधिक पाई जाती है।भारत में भी यह बीमारी गंभीर चुनौती बनी हुई है। अध्ययनों के अनुसार एसएलई से होने वाली मौतों में लगभग 85 प्रतिशत मामलों में ल्यूपस नेफ्राइटिस प्रमुख कारण के रूप में सामने आया है। विशेष रूप से युवा महिलाओं में इसका प्रभाव अधिक देखा जाता है।शोधकर्ताओं ने बताया कि थ्च्ब्–024 नामक यह नया यौगिक ठैज्–2 नामक एक विशेष प्रोटीन को लक्षित करता है, जो ल्यूपस नेफ्राइटिस के दौरान किडनी में सूजन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रोटीन को अवरुद्ध करके यह यौगिक सूजन की उस प्रक्रिया को रोकता है जो किडनी को नुकसान पहुंचाती है। प्रयोगशाला परीक्षणों में इस यौगिक ने सूजन संबंधी संकेतकों को 85 प्रतिशत तक कम करने में सफलता दिखाई तथा किसी प्रकार के विषैले प्रभाव के संकेत नहीं मिले।वैज्ञानिकों के अनुसार इस दवा की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह वर्तमान में इस्तेमाल होने वाली स्टेरॉयड दवाओं के साथ बेहतर तालमेल से कार्य कर सकती है। इससे रोगियों को कम मात्रा में स्टेरॉयड लेने की आवश्यकता पड़ सकती है, जिससे लंबे समय तक स्टेरॉयड सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों में कमी आ सकती है और रोगियों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

हालांकि थ्च्ब्–024 अभी प्रारंभिक शोध चरण में है और इसे रोगियों तक पहुंचने से पहले पशु परीक्षणों तथा मानव नैदानिक परीक्षणों की लंबी प्रक्रिया से गुजरना होगा, फिर भी भारतीय पेटेंट प्राप्त होना और शुरुआती परीक्षणों में उत्साहजनक परिणाम मिलना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।शोध दल ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में यह यौगिक ल्यूपस नेफ्राइटिस से पीड़ित मरीजों, विशेषकर युवा महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित, प्रभावी और लक्षित उपचार विकल्प के रूप में विकसित हो सकता है।

पेपर लीक को लेकर युवाओं से आप सांसद संजय सिंह ने किया संवाद

अधिकारियों से नोंकझोंक, सांसद बोले- सर्किट हाउस आपकी प्रॉपर्टी नहीं

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह आज प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने छात्रों के साथ लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों से लेकर भर्ती प्रक्रिया में हो रहे घोटाले तक के सभी विषयों को लेकर संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने छात्रों की समस्याएं भी सुनी और उन्होंने सरकार से कहा कि उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में 75 आंदोलन होंगे और सरकार अब तैयार रहे क्योंकि छात्र शक्ति जब जागेगा तो उसके तूफान में सरकार की दमनकारी नीतियां पूरी तरीके से उड़ जाएगी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि इसमें 4 वर्षों में अलग–अलग मानकों में कुल 77 भर्तियों में घोटाले देखने को मिले जो कि छात्र शक्ति और उनके मनोबल को तोड़ने का काम उत्तर प्रदेश और केंद्र की सरकार ने किया है। सर्किट हाउस में प्रतियोगी छात्रों से आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह संवाद कर रहे थे। संवाद के दौरान सभागार में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सिटी सत्यम मिश्रा और डीसीपी सिटी मनीष कुमार शांडिल्य पहुंच गए। भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारियों ने आप सांसद संजय सिंह से किनारे चलकर बात करने को कहा। इस पर संजय सिंह भड़क गए और अधिकारियों को जमकर खरी खोटी सुनाई। कहा कि जिस परीक्षा पर हो रही चर्चा को आप रोकने के लिए आए हैं वही परीक्षा पास करके आप अधिकारी बने हैं।

सांसद संजय सिंह अपनी जगह से नहीं हिले। उन्होंने कहा कि क्या मैं कानून व्यवस्था भंग कर रहा हूं, जो आप मुझे रोकने आए हैं। आपको सर्किट हाउस के अंदर आने का अधिकार ही न हीं है। अगर में सार्वजनिक स्थान या सड़क पर कोई कार्यक्रम करता तो आप एक बार रोक सकते थे। कहा कि आप सांसद के अधिकारों का हनन करना चाहते हैं। इसकी शिकायत मैं प्रिविलेज कमेटी से करूंगा। एडीएम सिटी के सभागार में पहुंचने के दौरान बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सांसद संजय सिंह ने एडीएम और डीसीपी से कहा कि सर्किट हाउस आपकी निजी प्रॉपर्टी नहीं है। यह जनता के पैसे से बना है। बंद कमरे में क्या हो रहा है यह देखना आपका काम नहीं है। यहां पर कोई देश विरोधी बात हो रही है क्या। यहां परीक्षाओं में पेपर लीक पर चर्चा हो रही है। क्या लोकतंत्र में इस पर बात करना गुनाह है।

पेयजल संकट को लेकर सांसद प्रतिनिधि ने डीएम से की वार्ता

शंकरगढ़ और कोरांव ब्लाक की समस्याओं से कराया अवगत, त्वरित कार्रवाई की मांग

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बीच शंकरगढ़ और कोरांव ब्लॉक के दर्जनों गांवों में गहराए गंभीर पेयजल संकट को लेकर आज स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया।प्रयागराज सांसद उज्जवल रमण सिंह द्वारा शंकरगढ़ क्षेत्र का दौरा करने के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल की समस्या रखीं जिसपर उन्होंने जिलाधिकारी से वार्ता किया और उनके निर्देश पर प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने सोमवार को प्रयागराज के जिलाधिकारी मनीष वर्मा से मुलाकात कर भीषण पेयजल समस्या से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में तत्काल टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने और बंद पड़े हैंडपंपों को रीबोर कराने की मांग की।जिलाधिकारी से वार्ता के दौरान सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि वर्तमान में पड़ रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के कारण भूगर्भ जलस्तर काफी नीचे चला गया है। सरकारी हैंडपंप सूख चुके हैं और कई क्षेत्रों में पाइपलाइन नेटवर्क पूरी तरह चालू न होने से स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है।उन्होंने विशेष रूप से शंकरगढ़ ब्लॉक के लखनपुर, बिहारिया, जनवा, नौढ़ीहा उपरहार, जूही, नारीबारी, आमगोदर, तकतई और कल्याणपुर जैसे गांव की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि यह सब गांव इस समय पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। खासकर बेसेलवा कॉलोनी जैसी दूरदराज की बस्तियों के ग्रामीणों को पानी के लिए रोजाना कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कोरांव ब्लॉक के उपरौध और पाल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले देवघाट जैसे गांवों में प्राकृतिक जल स्रोतों (तालाब, पोखरे) के अभाव के कारण संकट और अधिक गहरा गया है।जिलाधिकारी ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल सीडीओ से कहा कि लेटर जारी करें और आश्वासन दिया कि प्रभावित गांवों में जल निगम और संबंधित अधिकारियों को तुरंत सक्रिय किया जाएगा।

पेपर लीक पर भाजपा सरकार को घेरा, संजय सिंह ने 75 जिलों में अभियान और लखनऊ घेराव का किया ऐलान

प्रयागराजध्लखनऊ, (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद ैदरंल ैपदही ने सोमवार को प्रयागराज में आयोजित ष्पेपर लीक पर चर्चाष कार्यक्रम में भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और देश में लगातार हो रहे पेपर लीक तथा भर्ती घोटालों ने लाखों छात्रों की मेहनत और सपनों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने घोषणा की कि आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी 75 जिलों में ष्पेपर लीक पर चर्चाष अभियान चलाएगी और इसके बाद राजधानी लखनऊ में छात्रों के साथ बड़ा घेराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि नीट समेत विभिन्न भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं के खिलाफ छात्र अपनी पीड़ा साझा कर रहे थे, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए और पूरी ताकत के साथ इस शांतिपूर्ण चर्चा को रोकने तथा दबाव बनाने का प्रयास किया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिशें अब सफल नहीं होंगी।उन्होंने कहा कि देशभर में नीट परीक्षा के कथित पेपर लीक से लगभग 22 लाख छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उत्तर प्रदेश में भी भर्ती परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार अनियमितताएं सामने आती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से लेकर अब तक दरोगा भर्ती, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, विद्युत निगम कनिष्ठ अभियंता भर्ती, शिक्षक पात्रता परीक्षा, लेखपाल भर्ती, पुलिस कांस्टेबल भर्ती और समीक्षा अधिकारी जैसी कई परीक्षाएं विवादों, पेपर लीक और गड़बड़ियों से प्रभावित हुई हैं।संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जिन निजी एजेंसियों और कंपनियों को परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई, उनमें से कई पहले से विवादों में रही थीं।

गोवंश से भरा ट्रक पकड़ा गया, 2 गिरफ्तार

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र में फाफामऊ पुल के पास रविवार को विश्व हिंदू परिषद के गौरक्षक सचल दस्ते और पुलिस ने गोवंश से लदी एक टाटा मैजिक पकड़ ली। वाहन से दो गाय और एक बैल बरामद किए गए। मौके से एक आरोपी गिरफ्तार हुआ, जबकि दो अन्य फरार हो गए। इनमें से एक को पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों पर गोवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।विश्व हिंदू परिषद के गौरक्षा विभाग के प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी ने बताया कि उन्हें लगातार सूचना मिल रही थी कि करेली क्षेत्र में डेयरी संचालित करने वाला व्यक्ति दूध देना बंद कर चुकी गायों को नवाबगंज क्षेत्र स्थित अपने गांव भेजकर उनका वध कराता है। इसी सूचना के आधार पर गौरक्षक सचल दस्ते ने फाफामऊ पुल के निकट टीबी अस्पताल के पास निगरानी शुरू की। विश्व हिंदू परिषद के गौरक्षक सचल दस्ते में लवलेश बजरंगी, दीपचंद, अभिषेक, विशाल सोनी, शुभम मिश्रा, टीटू विश्वकर्मा, आशीष यादव, गोविंद कुमार और मुकेश बजरंगी समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।रविवार को फाफामऊ पुल के पास संदिग्ध टाटा मैजिक को रोककर तलाशी ली गई तो उसमें दो गाय और एक बैल लदा मिला। वाहन रुकते ही उसमें सवार दो लोग कूदकर भाग निकले, जबकि एक व्यक्ति को मौके पर पकड़ लिया गया। शिवकुटी थाना पुलिस के अनुसार पकड़ गया व्यक्ति ओंकार निषाद निवासी जीटीबी नगर, करेली है। पूछताछ में उसने बताया कि वह गोवंश को नवाबगंज क्षेत्र के दिलावरपुर गांव ले जा रहा था। उसने यह भी बताया कि वाहन से भागने वालों में डेयरी संचालक बूल्लू खान और उसका भाई शामिल थे।

केंद्र-प्रदेश सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों की प्रदर्शनी का शुभारंभ, मिर्जापुर बीएलजे ग्राउंड में उमड़े लोग

मिर्जापुर, 01 नगर विधानसभा क्षेत्र के बीएलजे ग्राउंड महुवरिया में केंद्र व प्रदेश सरकार की विकासपरक एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का रविवार को भव्य शुभारंभ किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

उ0प्र0 लखनऊ द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार तथा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्याम सुन्दर केसरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के साथ ही प्रदर्शनी देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

विधायक रत्नाकर मिश्र ने कहा कि यह प्रदर्शनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अंत्योदय के संकल्प को धरातल पर उतारने का जीवंत उदाहरण है। प्रदर्शनी में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, हर घर नल जल मिशन, एक जनपद एक उत्पाद, मिशन शक्ति, विंध्य कॉरिडोर, अयोध्या राम मंदिर, फोर लेन, सामूहिक विवाह, निराश्रित महिला पेंशन जैसी योजनाओं की उपलब्धियों को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर काम कर रही है। मिशन शक्ति से बेटियों को सुरक्षा और एक जनपद एक उत्पाद से मिर्जापुर के कालीन व पीतल उद्योग को वैश्विक पहचान मिली है। जिले में राजकीय मेडिकल कॉलेज, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, विंध्य कॉरिडोर, गंगा पर पीपा पुल व सिक्स लेन पुल का निर्माण हुआ है।

विधायक ने कहा कि सरकार चाहती है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचे। इसके लिए लोगों को योजनाओं की जानकारी होना जरूरी है और इसी मकसद से यह प्रदर्शनी लगाई गई है।

जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया और प्रदर्शनी का अवलोकन कराया। यह प्रदर्शनी 03 जून 2026 की रात 9 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

इस मौके पर जिला महामंत्री रवि शंकर पांडे, स्वामी नाथ सिंह, जिला उपाध्यक्ष हेमंत त्रिपाठी, गौरव उमर, मंडल अध्यक्ष उमेश त्रिपाठी, नितिन विश्वकर्मा, नगर अध्यक्ष डाली अग्रहरि, सभासद सतीश उपाध्याय, इंद्रजीत सिंह, कमलेश मौर्य, वीरेंद्र यादव, मीडिया प्रभारी भावेश शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

भू माफियायों से ऐतिहासिक चर्च को बचाने की अपील

प्रयागराज कानपुर रोड स्थित मकान संख्या 8 पर चर्च संपत्ति विवाद एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक नजूल संपत्ति है, जो लंबे समय से कानूनी और न्यायिक चर्चाओं का विषय रही है। इस संपत्ति में छह किरायेदारों के साथ साथ एक चर्च भी स्थापित है।

उल्लेखनीय है कि इस चर्च का इतिहास लगभग 80 वर्षों पुराना है। यहाँ पादरी ग्लेडविन मसीह चरण निवास करते हैं और उनके नेतृत्व में इंडियन नेशनल चर्च की प्रार्थना सभाएँ निरंतर आयोजित होती रही हैं। इस परिसर की खाली भूमि पर समय समय पर प्रार्थना सभाएँ, भंडारे और सर्व धर्म सभाएँ भी होती रही हैं, जिनमें विभिन्न धर्मों के लोग एकजुट होकर भाईचारे का संदेश देते हैं।

परंतु हाल के दिनों में इस भूमि पर कब्जा करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता मधुप अग्रवाल के नेतृत्व में कुछ वकीलों की टीम ने कैलाश जायसवाल और राम लली के नाम पर फर्जी सेल डीड दिखाकर इस चर्च की खाली जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रही है और कुछ सरकारी लोगों से मिलकर लीज री–न्यूवल कराने का षड्यंत्र रच रहे हैं । जबकि न तो कोई वैध सेल डीड हुई है और न ही कोई वास्तविक कब्जा, फिर भी ये लोग स्वयं को मालिक बताने लगे हैं।

चर्च अनुयायियों का आरोप है कि ये अधिवक्ता फर्जी पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर पादरी चरण और चर्च के लोगों को डराते धमकाते हैं और कहते हैं दृ "हम अधिवक्ता हैं, हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता। तुम लोग यह जगह छोड़कर चले जाओ।"

इस विवाद को लेकर कस्टोडियन ऑफ चर्च एस्सेट्स ट्रस्ट के सदस्य लिली भावना कॉलर एन बी मोंट्रोज, गाजियाबाद से डॉ राहुल उठवाल, लखनऊ से वरिष्ठ पत्रकार संजोग वाल्टर और सी आर विलियम, मिर्जापुर से जैसमिन लाल, जयवंत लाल, रीना विंटर , प्रयागराज की सुदीपा मित्रा, धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, अबुल कलाम राइन, ठाकुर शिव सागर सिंह, निशांत अग्रवाल, दिल्ली से विवेक मोंट्रोज और डॉ रमा मोंट्रोज आदि खुलकर विरोध कर रही हैं। इनके साथ ही कई सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार भी इस आंदोलन में शामिल हैं,

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए चर्च अनुयायियों ने उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की है कि वह इस ऐतिहासिक स्थल को भू माफियाओं से सुरक्षित रखे और पादरी चरण व उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करे। साथ ही मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री, गृह सचिव एवं पुलिस महा निरीक्षक से तत्काल संज्ञान लेकर इस सम्पत्ति की जाँच कराने की माँग की गई है।

चर्च अनुयायियों ने सरकार से यह भी माँग की है कि इस भूमि को उन्हें लीज अथवा फ्रीहोल्ड में प्रदान किया जाए, ताकि यह ऐतिहासिक चर्च निरंतर चलता रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इसकी आध्यात्मिक धारा से जुड़ी रहें।

सपा ने प्रदर्शन कर मतदाता सूची को दुरुस्त करने की उठाई आवाज

सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी बोले दोषियो पर हो कार्यवाही

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी के निर्देश पर जनपद में 396 सदर विधानसभा मीरजापुर, 395–छानबे विधानसभा (सुरक्षित), 397–मझवां विधानसभा, 398–चुनार विधानसभा व 399– मड़िहान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र– 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में हजारो की संख्या में डूब्लीकेट (फर्जी) मतदाता सूची में हुई गड़बड़ी को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन कर मतदाता

सूची को सही करने की मॉग जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार से की। जिलाधिकारी को पॉचो विधानसभा क्षेत्र की डूब्लीकेट और फर्जी नामो की सूची सौपी। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि जॉच में गलती पाये जाने पर दोषियो के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि जनपद मीरजापुर के पॉचो विधानसभा में एक नामध्एक ही पिताध् पति का नाम समउम्र का कई बूथो पर विभिन्न वोटर आई0 डी0 नम्बर का एवं लगभग सेम फोटो का अंतिम मतदाता सूची में प्राप्त पाये जाने पर विरोध जताया और कहा कि 396–मीरजापुर 4353, एवं 398–चुनार में 5475 व 395–छानबे (सुरक्षित) में 5120 एवं 397–मझवां 6403 व 399–मड़िहान 6667 में मतदाता का नाम आया है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के राष्ट्रीय दलो की बैठक मे बार–बार कहा जाता था कि गड़बड़ी होने पर लगे कर्मचारियों पर दण्डात्मक कार्यवाही किया जायेगा। कहा कि समाजवादी पार्टी मॉग करती है कि 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित मतदाता सूची में डूब्लीकेट (फर्जी) नाम दर्ज किये जाने से मतदाता विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 में मतदान नही कर पायेंगे। यह एक गंभीर मामला है मामले को तत्काल संज्ञान मे लेकर जॉच करायी जाय और दोषी संलिप्त कर्मचारियों पर दण्डात्मक कार्यवाही कर कृत कार्यवाही का अवगत कराया जाय।

प्रदर्शन करने वालो में पूर्व विधायक जगतम्बा सिंह पटेल, मुन्नी यादव, आशीष यादव, अशोक यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, दामोदर प्रसाद मौर्या, रविन्द्र बहादुर सिंह, झल्लू यादव, आशीष कोल, रमाशंकर कोल, बलराम यादव, अभय यादव, मेवालाल प्रजापति, संदेश यादव, रामराज यादव आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहें।

नियमितीकरण समेत विभिन्न मांगों को लेकर पंचायत सहायकों का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर। जिले के पंचायत सहायकों ने सोमवार को नियमितीकरण सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। पंचायत सहायकों ने जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा। पंचायत सहायकों का कहना है कि ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सचिवों के प्रशासनिक कार्यों में सहयोग तथा ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए उनकी संविदा पर नियुक्ति की गई थी। वर्तमान में उन्हें प्रतिमाह 6 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई के बीच पर्याप्त नहीं है। प्रदर्शन कर रहे पंचायत सहायकों ने आरोप लगाया कि उनसे मूल कार्यों के अतिरिक्त अन्य विभागों के कार्य भी कराए जाते हैं, लेकिन इसके लिए कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं दिया जाता। पंचायत सहायक काजल चौरसिया ने बताया कि कई बार महीनों तक मानदेय का भुगतान नहीं होता, जिससे आर्थिक समस्याएं बढ़ जाती हैं। ज्ञापन के माध्यम से पंचायत सहायकों ने मानदेय बढ़ाने, कार्यों के लिए स्पष्ट नियमावली लागू करने तथा मानदेय भुगतान के लिए पारदर्शी पोर्टल व्यवस्था शुरू करने की मांग की। महिला पंचायत सहायकों ने अन्य महिला कर्मचारियों की तरह सुविधाएं और रियायतें दिए जाने की भी मांग उठाई। जिले भर से पहुंचे सैकड़ों पंचायत सहायकों ने चेतावनी दी कि यदि 15 जून तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो वे लखनऊ में बड़ा आंदोलन करेंगे।

हल्द्वानी में सुल्तानपुर के खिलाड़ियों का जलवा

ओपन नेशनल ताइक्वांडो चौंपियनशिप में जीते 6 पदक

सुल्तानपुर। खिलाड़ियों ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित 13वीं ओपन नेशनल ताइक्वांडो चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। 29 से 31 मई तक इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अमीना ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक सहित कुल छह पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में देशभर से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। 44 किलोग्राम भार वर्ग में प्रज्वल यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं 38 किलोग्राम सब जूनियर वर्ग में मान्यता ने स्वर्ण पदक हासिल कर अकादमी और जिले का गौरव बढ़ाया। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में प्रियांशु तिवारी (78 किलोग्राम जूनियर वर्ग), सत्यांश आर. श्रीवास्तव (41 किलोग्राम सब जूनियर वर्ग), साक्षी (63 किलोग्राम जूनियर वर्ग) और यथार्थ मौर्य (41 किलोग्राम सब जूनियर वर्ग) शामिल रहे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर अकादमी की प्रशिक्षिका अमीना बानो और अभिभावकों ने खुशी जताई। उन्होंने इसे खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और नियमित प्रशिक्षण का परिणाम बताया। अमीना ताइक्वांडो अकादमी के अध्यक्ष शिवकुमार सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. सुधाकर सिंह, कोषाध्यक्ष एडवोकेट मदन सिंह तथा सदस्य कांति सिंह सहित खेल जगत से जुड़े लोगों ने विजेता खिलाड़ियों और प्रशिक्षिका अमीना बानो को बधाई दी।

नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने घंटाघर और तरकापुर वार्ड में सीसी सड़क,इंटरलॉकिंग कार्य का किया लोकार्पण

मीरजापुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने नगर के घंटाघर और तरकापुर वार्ड में नवनिर्मित सीसी सड़क का विधि

ावत पूजन अर्चन के बाद लोकार्पण किया।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कि घंटाघर के इस प्रमुख चौराहे के दोनों तरफ पटरियों का स्थिति ठीक नहीं थी,आवागमन में आम लोगों,ई रिक्शा आदि वाहनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था,जनता की सहूलियत को देखते दोनों पटरियों पर इंटरलॉकिंग कार्रवाई गई है,इसके साथ ही साधुवाडा गली में भी पंद्रहवें वित्त से इंटरलॉकिंग का कार्य कराया है।तरकापुर मछली वाली गली में दो जगहों पर सीसी सड़क का निर्माण कर वार्डवासियो को समर्पित किया गया है।इस मौके पर डॉली अग्रहरि,सभासद राधेश्याम गुप्ता,बबलू सोनकर,अजय मोदनवाल,नागेश्वर तिवारी, राजेश कुमार,सनत केशरी, सत्यनारायण केसरवानी, मायाशंकर दुबे, शशांक टंडन, सतीश चंद्र सर्राफ,रविन्द्र कुमार,विंध्यवासिनी गुप्ता सहित अन्य वार्ड वासी मौजूद रहें।

चरित्र में नशामुक्तिका समावेश ही सच्ची जागरूकता - न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह

प्रयागराज ।षविश्व तम्बाकू रहित दिवसष के अवसर पर क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी कार्यालय, प्रयागराज क्षेत्र, उपनियंत्रक सिविल डिफेन्स, प्रयागराज तथा लायन्स क्लब के लायन अर्पणधर दुबे, मंडलाध्यक्ष ,

लायन उदय

प्रयागराज द्वारा सिविल डिफेन्स एवं लायन्स क्लब के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय उद्यान शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज में एक भव्य जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसामान्य को तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री सत्यवीर सिंह, न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नीरज मिश्रा, उपनियंत्रक सिविल डिफेन्स, प्रयागराज, श्री राजीव तिवारी, सहायक चंदानी,उपमंडलाध्यक्ष प्रथम

लायन उमेश चंद्र कक्कड़, उपमंडलाध्यक्ष द्वितीय

लायन शीतला प्रसाद श्रीवास्तव,प्रोटोकॉल अधिकारी ,सदस्य नशा मुक्त भारत अभियान

श्री पवन पाण्डेय यातायात निरीक्षक, चाइल्ड लाइन सदस्य समाजसेवी नितीश शुक्ल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री चारूल मिश्रा, क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, प्रयागराज क्षेत्र द्वारा किया गया।

माननीय न्यायमूर्ति श्री सत्यवीर सिंह द्वारा हरी झण्डी दिखाकर जनजागरूकता रैली को रवाना किया गया। इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति श्री सत्यवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केवल एक सरकारी अभियान या औपचारिक संकल्प तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे प्रत्येक व्यक्ति के चरित्र एवं जीवनशैली में उतारना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक नशामुक्ति के मूल्य हमारे आचरण और व्यवहार का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने सभी नागरिकों से तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के उन्मूलन हेतु सक्रिय भूमिका निभाने तथा समाज में व्यापक जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

माननीय न्यायमूर्ति महोदय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को ष्नशामुक्त भारतष के निर्माण हेतु संकल्प भी दिलाया। उपस्थित जनसमूह ने तम्बाकू एवं नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ग्रहण की।

उपनियंत्रक सिविल डिफेन्स श्री नीरज मिश्रा एवं सहायक उपनियंत्रक श्री राजीव तिवारी ने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से ही नशामुक्त समाज का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सुश्री चारुल मिश्रा क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी प्रयागराज क्षेत्र प्रयागराज ने भी तम्बाकू एवं नशे के विरुद्ध निरंतर जन–जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में सिविल डिफेन्स के स्वयंसेवकों, लायन्स क्लब के सदस्यों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली के दौरान नशामुक्ति एवं तम्बाकू निषेध से संबंधित नारों एवं संदेशों के माध्यम से जनसामान्य को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का समापन नशामुक्त एवं स्वस्थ भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

सेवानिवृत्त अपर जिलाधिकारी वि0ध्या0 को कलेक्ट्रेट में दी गई भव्य विदाई-उनके उत्कृष्ठ कार्यो का किया गया उल्लेख

मीरजापुर 01 जून 2026– जनपद में तैनात रहे मृदुल भाषी अपर जिलाधिकारी वि0ध्या0 अजय कुमार सिंह का 31 मई 2026 को सेवानिवृत्त होने के पश्चात आल कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियो व कर्मचारियो के द्वारा भव्य कार्यक्रम कर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, अपर जिलाधिकारी वि0ध्या0 देवेन्द्र प्रताप सिंह अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारियो व कर्मचारियो द्वारा भव्य विदाई दी गई। इस अवसर पर स्वंय अपर जिलाधिकारी विदाई समारोह में भावुक हुए उन्होंने कहा कि जनपद मे जब से कार्यभार

संभाला सभी मार्गदर्शन व अमूल्य सहयोग मिला जिससे कठिन से कठिन चुनौतियो और जटिल समस्याओ का निष्पक्षता और सहजता से सुलझा सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार सहित सभी अधिकारियो, कर्मचारियो ने उनके कार्यो की सराहना करते हुए उनके आगे के जीवन शैली, उत्तम स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना की।

मिर्जापुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार सिंह पटेल का जन्मदिन मनाया, कार्यकर्ताओं ने भीषण गर्मी में बांटा शरबत

मिर्जापुर, 1 जून जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय मिशन कंपाउंड में रविवार को जिलाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार सिंह पटेल का जन्मदिन केक काटकर धूमधाम से मनाया गया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं प्रवक्ता मिन्हाज अहमद छोटे खान ने डॉ. पटेल को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लगातार तीन बार डॉ. शिवकुमार सिंह पटेल को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। जब से वे अध्यक्ष बने हैं, उन्होंने पार्टी को मजबूत किया है और सभी पदाधिकारियों को समान भाव से एकजुट रखने का काम किया है।

इसके अलावा सरदार पटेल तिराहा नारायणपुर में कार्यकर्ताओं ने डॉ. शिवकुमार पटेल के जन्मदिन पर भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को शरबत वितरण कर उनका जन्मदिन मनाया।

बधाई देने वालों में गुलाबचंद पांडे, तुलसीदास गुप्ता, कन्हैयालाल पाठक, संदीप पटेल, रामराज भारती, सूर्यभान पटेल, विद्याधर पटेल, राम लखन मास्टर, बृजेश द्विवेदी, मारकंडे पाठक, अंकुर श्रीवास्तव, आजाद कपिल कुमार सोनकर, कमर शाही, डॉ. दिनेश चौधरी, विजय दुबे पहाड़ी, रितेश मिश्रा, विनोद भारती, नई मोहम्मद, कैलाश प्रजापति, संतोष साहनी, राजू भारती समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाहजहांपुर में यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने मनाया हिंदी पत्रकार दिवस, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना रहे मुख्य अतिथि

शाहजहांपुर, । को यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के तत्वावधान में शुक्रवार को शाहजहांपुर में हिंदी पत्रकार दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना रहे।

इस अवसर पर मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में पत्रकारिता की भूमिका सबसे अहम है। पत्रकार समाज का दर्पण हैं जो सत्ता और जनता के बीच सेतु का काम करते हैं। उन्होंने पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में यूनियन के पदाधिकारियों ने पत्रकार सुरक्षा कानून, मान्यता प्रक्रिया के सरलीकरण और ग्रामीण पत्रकारों को सुविधा देने जैसे मुद्दे उठाए।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के जिलाध्यक्ष, जिले भर के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकार बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 02 जून 2026
sheelshukla100@gmail.com

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू–राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति

दिया।हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया। दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है। हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है। उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं जहां दोनों ओर के लोग एक–दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस सुझाव पर हुई जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती। इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन्द्र शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वार्ताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन्द्र शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जताई गई और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन्द्र शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू–राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की। बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार–बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं।

सम्पादकीय

दो चुनौतियां, एक सबक

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो।

दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय श्मेमफ्लेशन्य की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों– खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट–पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं।

नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं। एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी।

तो सबक क्या है? सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। इसीलिए इंडस्ट्रीयल पार्कों को इतनी अहमियत दी जाती है। साथ ही सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार हो, जो भू–राजनीतिक एवं व्यापार जनित संकटों के समय संबंधित उद्योग का सहारा बना रहे। भारत में उद्यम के जो सफल क्षेत्र हैं, अब साफ है कि उनमें इन पहलुओं की उपेक्षा की गई। उन्हें अर्थव्यवस्था के समग्र विकास की सोच से इतर स्थापित किया गया। अब उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

वीआईपी अपराधियों के लिए जेल मानो होटल?

सवाल है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। राम रहीम को 2020 से 2026 तक 16 बार से ज्यादा पैरोल फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे।भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का मूल आधार है। अनुच्छेद 14 कहता है कि कानून के समक्ष सब समान हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके उलट दिखती है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह का मामला इसका स्पष्ट उदाहरण है। रोहतक की सुनारिया जेल, जहां वे बंद हैं, उनके लिए लगभग होटल जैसी सुविधाओं का केंद्र बन गई है, जबकि आम कैदी कठिन परिस्थितियों में सजा काटते हैं। उल्लेखनीय है कि 2017 में दो साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष की सजा पाने के बाद राम रहीम रोहतक जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और रंजीत सिंह हत्याकांड में आजीवन कारावास भी मिला। जेल में उनके लिए विशेष सेल, बोतलबंद पानी, सहायक कर्मी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। एक पूर्व कैदी ने आरोप लगाया था कि राम रहीम को अन्य कैदियों से ज्यादा समय मुलाकात के लिए मिलता है। जबकि सामान्य कैदियों को मात्र 20 मिनट मिलते हैं, वहीं राम रहीम को घंटों की छूट दी जाती रही।जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन राम रहीम को बार–बार मिलने वाली पैरोल और फरलो ने संदेह बढ़ाया है। रोहतक जेल में उनका रहना आम कैदियों के लिए कठिनाइयों के बीच विपरीत तस्वीर पेश करता है। जहां सामान्य कैदी भीड़भाड़, सीमित संसाधनों और सख्त नियमों में रहते हैं, वहीं राम रहीम को लगातार रिहाई और आरामदायक व्यवस्था मिलती रही। ऐसे में सवाल उठता है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है।

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है।

सिस्टम न्याय, सत्ता और संवेदनाओं के बीच की बेचैनी

पंकज दुबे

भारतीय सिनेमा में अदालतों और न्याय व्यवस्था पर आधारित फिल्में हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। ऐसी फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे केवल कानूनी बहसों तक सीमित न रह जाएं, बल्कि इंसानी भावनाओं, सामाजिक यथार्थ और सत्ता की जटिलताओं को भी अपने भीतर समेट सकें। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित नई हिंदी फिल्म श्सिस्टम्य इसी चुनौती को स्वीकार करती है। आज के सिने–सोहबत में इसी फिल्म पर चर्चा करते हैं। श्सिस्टम्य केवल एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल है जिसमें सच, शक्ति और विशेषाधिकार अक्सर एक–दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि आशुतोष गोवारिकर जैसे अनुभवी कलाकार कहानी को अतिरिक्त वजन देते हैं।श्सिस्टम्य की कहानी दो महिलाओं के इर्द–गिर्द घूमती है। एक ओर है नेहा राजवंश, जो विशेषाधिकार प्राप्त दुनिया से आने वाली सरकारी वकील है, और दूसरी ओर है सारिका रावत, जो अदालत की दुनिया में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर खड़ी एक स्टेनोग्राफर है। दोनों अलग–अलग सामाजिक पृष्ठभूमियों से आती हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद असमानताओं और सत्ता के खेल से उनका सामना उन्हें एक साझा संघर्ष की ओर ले जाता है। फिल्म का मूल प्रश्न यही है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है, या फिर व्यवस्था केवल शक्तिशाली लोगों के पक्ष में काम करती है?निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी ने अपने करियर में अक्सर साधारण लोगों की असाधारण कहानियां कही हैं। श्निल बट्टे सन्नाटाय, श्बरेली की बर्फीय और श्पंगाय जैसी फिल्मों में उन्होंने छोटे शहरों, पारिवारिक रिश्तों और व्यक्तिगत संघर्षों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया था। श्सिस्टम्य में वह पहली बार अपेक्षाकृत गहरे और गंभीर कोर्टरूम स्पेस में प्रवेश करती हैं। यह बदलाव दिलचस्प है क्योंकि यहां उनका परिचित मानवीय दृष्टिकोण तो मौजूद है, लेकिन उसके साथ एक राजनीतिक और संस्थागत आलोचना भी जुड़ जाती है।

फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसका वातावरण है। अदालत की कार्यवाही, कानूनी प्रक्रियाएं और उनके पीछे छिपी शक्ति संरचनाएं काफी विश्वसनीय लगती हैं। कैमरा अक्सर पात्रों के चेहरों पर ठहरता है, जिससे उनके भीतर चल रहे संघर्ष दर्शकों तक पहुंचते हैं। कई दृश्यों में संवादों से अधिक मौन काम करता है। अश्विनी अय्यर तिवारी यहां शोर मचाने वाली फिल्म नहीं बनातीं।य वह दर्शकों को धीरे–धीरे उस दुनिया में ले जाती हैं जहां सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली होती जाती है।सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश के किरदार में अपने करियर के सबसे परिपक्व अभिनय में से एक दिया है। यह किरदार केवल एक वकील का नहीं, बल्कि उस व्यक्ति का है जो अपने विशेषाधिकारों और नैतिक जिम्मेदारियों के बीच फंसी हुई है। सोनाक्षी ने इस आंतरिक संघर्ष को बड़े संयम से निभाया है। कई जगह उनके चेहरे के भाव संवादों से अधिक प्रभाव पैदा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में श्दहाड़य जैसी परियोजनाओं में उन्होंने जिस गंभीर अभिनय क्षमता का परिचय दिया था, श्सिस्टम्य उसे और आगे बढ़ाती है।वहीं ज्योतिका फिल्म की भावनात्मक धुरी बनकर उभरती हैं। सारिका रावत के रूप में उनका प्रदर्शन अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है। उनके किरदार में गुस्सा भी है, विवशता भी और आत्मसम्मान भी। ज्योतिका अपने अभिनय से यह महसूस करा देती हैं कि व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर खड़े लोग किस तरह रोज अन्याय का सामना करते हैं। कई दृश्यों में उनका अभिनय फिल्म को नई ऊंचाई देता है।अशुतोष गोवारिकर का काम भी उल्लेखनीय है। उनका अनुभव स्क्रीन पर साफ दिखाई देता है। वह कहानी में स्थिरता और गंभीरता जोड़ते हैं। सहायक कलाकारों ने भी अपने हिस्से का काम ईमानदारी से किया है, जिससे फिल्म का संसार विश्वसनीय बनता है।

फिल्म का लेखन महत्वाकांक्षी है। यह केवल एक मुकदमे की कहानी नहीं कहना चाहता, बल्कि पूरे न्यायिक ढांचे पर टिप्पणी करना चाहता है। कई दृश्य ऐसे हैं जहां फिल्म महत्वपूर्ण सवाल उठाती है कि क्या कानून और न्याय एक ही चीज हैं? क्या सच हमेशा अदालत में जीतता है? क्या सामाजिक हैसियत फैसलों को प्रभावित करती है? इन प्रश्नों के कारण फिल्म विचारोत्तेजक बनती है।हालांकि, यहीं फिल्म कुछ कमजोरियां भी सामने आती हैं। कई बार ऐसा महसूस होता है कि फिल्म के पास अच्छे विचार तो हैं, लेकिन वह उन्हें पूरी गहराई तक विकसित नहीं कर पाती। कुछ उपकथाएं अधूरी लगती हैं और कुछ महत्वपूर्ण संघर्ष सतही स्तर पर ही रह जाते हैं। कोर्टरूम ड्रामा के रूप में फिल्म कई बार उतनी तीखी नहीं बन पाती जितनी उसकी विषयवस्तु मांग करती है। फिल्म का दूसरा भाग विशेष रूप से मिश्रित प्रभाव छोड़ता है। शुरुआती हिस्से में जो रहस्य और तनाव निर्मित होता है, वह बाद में थोड़ी गति खो देता है। कुछ दृश्य अनावश्यक रूप से लंबे महसूस होते हैं। दर्शकों को यह भी लग सकता है कि फिल्म अपने सबसे साहसी राजनीतिक निष्कर्षों तक पहुंचने से पहले ही रुक जाती है। व्यवस्था की आलोचना मौजूद है, लेकिन वह कई बार सुरक्षित दायरे में रहती है।तकनीकी पक्ष की बात करें तो फिल्म का कैमरावर्क काफी प्रभावशाली है। अदालतों के बंद कमरों, गलियारों और वेटिंग क्षेत्र को जिस तरह फिल्माया गया है, वह कहानी के दबाव और घुटन को महसूस कराता है। बैकग्राउंड स्कोर भी संयमित है। संगीत कभी भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि उसके भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है।

श्सिस्टम्य की एक और विशेषता इसकी महिला दृष्टि है। यह फिल्म महिलाओं को केवल पीड़ित या आदर्शवादी पात्रों के रूप में नहीं दिखाती। यहां महिलाएं जटिल हैं, महत्वाकांक्षी हैं, गलतियां भी करती हैं और कठिन फैसले भी लेती हैं। अश्विनी अय्यर तिवारी का यह दृष्टिकोण हिंदी सिनेमा में अक्सर दिखाई नहीं देता। फिल्म की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यही है कि वह अपने महिला पात्रों को पूर्ण मनुष्य की तरह प्रस्तुत करती है।

अश्विनी अय्यर तिवारी के फिल्मी सफर को देखें तो श्सिस्टम्य उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ की तरह दिखाई देती है। यह उनकी सबसे परिपक्व या सबसे प्रभावशाली फिल्म नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से उनकी रचनात्मक महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। वह अपने परिचित भावनात्मक क्षेत्र से बाहर निकलकर एक बड़े सामाजिक और संस्थागत विषय को छूने की कोशिश करती हैं। यह प्रयास सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम पूरी तरह निर्दोष न हो।मिलाजुला कर श्सिस्टम्य ऐसी फिल्म है जो अपने विचारों की वजह से याद रहती है, भले ही हर जगह समान रूप से प्रभावशाली न हो। यह दर्शकों को आसान जवाब नहीं देती, बल्कि उन्हें सवालों के साथ छोड़ती है। न्याय, सत्ता और नैतिकता के बीच मौजूद जटिल संबंधों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका के मजबूत अभिनय, अश्विनी अय्यर तिवारी की संवेदनशील दृष्टि और फिल्म का सामाजिक सरोकार इसे देखने योग्य बनाते हैं।यदि आप तेज रफ्तार थ्रिलर की उम्मीद लेकर बैठेंगे तो शायद श्सिस्टम्य आपको पूरी तरह संतुष्ट न करे। लेकिन अगर आप ऐसी फिल्में पसंद करते हैं जो समाज और व्यवस्था के भीतर छिपी परतों को खोलने की कोशिश करती हैं, ।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा।

वृष राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं,

कर्क राशि–
आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह राशि–
आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा।

तुला राशि–
आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

वृश्चिक राशि–
आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा।

मकर राशि–
आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि–
कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे।

मीन राशि–
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 02 जून 2026
sheelshukla100@gmail.com

सरयू स्नान कर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, मां गंभीर घायल

मिल्कीपुर–अयोध्या। रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में सरयू स्नान कर घर लौट रहे इनायतनगर थाना क्षेत्र के एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह हादसा पूराकलन्दर थाना क्षेत्र के अयोध्या रायबरेली हाइवे पर प्रभात नगर मोड़ के पास हुआ। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार, इनायतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम उरुवा वैश्य मजरे जमोलिया निवासी उमेश तिवारी (25) शनिवार देर रात अपनी मां मनभावती (65) के साथ सरयू स्नान के लिए अयोध्या गए थे। रविवार सुबह स्नान कर दोनों घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रभात नगर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पीछे से आ रहे गांव के अन्य लोगों ने उन्हें घायल अवस्था में देखा और तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उमेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी मां मनभावती का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव गांव पहुंचा, परिजनों में चीख–पुकार मच गई। परिजनों के अनुसार उमेश के पिता गोपीनाथ तिवारी का करीब सात वर्ष पहले निधन हो चुका था। दो वर्ष पूर्व ही उमेश की शादी हुई थी। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। परिवार में मां मनभावती, पत्नी कंचन, बड़े भाई मुकेश कुमार और रमेश कुमार समेत अन्य सदस्य हैं। युवक की असमय मौत से पूरे गांव में गम का माहौल है।

घर से नकदी और लाखों के जेवर लेकर बहू लापता

ससुर ने कुमारगंज थाने में दी तहरीर, कार्रवाई की मांग

मिल्कीपुर–अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र के सिधौना गांव में एक महिला के घर से नकदी और लाखों रुपये के जेवर लेकर लापता होने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने महिला की तलाश के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद महिला के ससुर ने कुमारगंज थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। सिधौना गांव निवासी पवन कुमार मौर्य ने रविवार को कुमारगंज पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी बहू चांदनी, पत्नी सूरज, बीते बुधवार की रात करीब 11.30 बजे बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई थी। रात में जब उनके बेटे सूरज की नींद खुली तो उसने देखा कि उसकी पत्नी घर पर नहीं है। परिवार के लोगों को लगा कि वह शौच के लिए बाहर गई होगी, इसलिए आसपास खोजबीन की गई। काफी देर तक तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चला और सुबह होने पर वह वापस घर लौट आई। परिजनों के अनुसार जब चांदनी से रात में घर से बाहर जाने के बारे में पूछा गया तो उसने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। इसके बाद 30 मई को परिवार के सदस्य खेत में काम करने चले गए। दोपहर करीब 1.30 बजे जब सभी लोग वापस घर पहुंचे तो घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चांदनी घर से गायब है। परिवार ने आसपास के लोगों तथा रिश्तेदारों से भी उसके संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। पवन मौर्य का आरोप है कि घर में रखे करीब तीन से चार लाख रुपये कीमत के सोने–चांदी के जेवरात तथा उनके पुत्र सूरज के पास रखे 20 हजार रुपये नकद भी गायब हैं। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने थाना कुमारगंज पहुंचकर लिखित शिकायत दी और महिला के साथ–साथ गायब नकदी एवं जेवरात की बरामदगी की मांग की। इस संबंध में थाना अध्यक्ष कुमारगंज सुरेश कुमार पटेल ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जा रही है।

हॉकी के छोटे जादूगर अशोक ध्यानचंद के जन्मोत्सव पर हुआ सेवा कार्य

अयोध्या। सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति के अद्भुत संगम का साक्षी बना जिला चिकित्सालय अयोध्या, जहाँ भारतीय हॉकी के गौरव एवं हॉकी के छोटे जादूगर के रूप में विख्यात अशोक ध्यानचंद का 76वाँ जन्मदिवस बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 16 युवाओं ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समाजसेवी संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने फीता काटकर किया। शिविर की अध्यक्षता व्यायाम शिक्षक राजकुमार वर्मा ने तथा संचालन एच.पी. यादव ने किया। शिविर का प्रथम रक्तदान संस्था की सचिव खुशबू शाही द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि सुरेश यादव ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदाता वास्तव में मानवता के प्रहरी हैं। उनके द्वारा किया गया एक यूनिट रक्त तीन जिंदगियों को नया जीवन प्रदान कर सकता है। रक्तदाताओं का सम्मान वस्तुतः राष्ट्र का सम्मान है। ब्लड मैन के नाम से चर्चित संस्था अध्यक्ष व समाजसेवी आकाश गुप्ता ने अशोक ध्यानचंद के खेल जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय हॉकी को विश्व पटल पर गौरव दिलाने में ध्यानचंद परिवार का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि अशोक ध्यानचंद जी ने अपने पिता महान हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद तथा चाचा रूप सिंह की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ओलंपिक पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। भारतीय हॉकी को अब तक प्राप्त 13 ओलंपिक पदकों में ध्यानचंद परिवार का योगदान स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। संस्था के महासचिव विजय वर्मा ने बताया कि अशोक ध्यानचंद के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा दो दिवसीय सेवा अभियान चलाया जा रहा है। प्रथम दिवस रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जबकि द्वितीय दिवस सरयू तट पर 500 भोजन पैकेट जरूरतमंदों के बीच वितरित किए जाएंगे। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में लैब टेक्नीशियन विशाल वर्मा, गीता यादव, काउंसलर ममता खत्री, विष्णु पाण्डेय, अंकित जायसवाल, श्याम वर्मा, लोको पायलट राजन यादव, सुरेश सोनी एवं संदीप सोनी का विशेष योगदान रहा। रक्तदान करने वालों में खुशबू शाही, विपिन पाल, मुकेश यादव, रितेश यादव, मनीष यादव, राम सजीवन यादव, श्याम बाबू यादव, सुधांशु विश्वकर्मा सहित अन्य युवा शामिल रहे।

कड़ी निगरानी में यूपी संयुक्तबीएड प्रवेश परीक्षा सकुशल सम्पन्न

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन की कड़ी निगरानी में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा रविवार को 39 केन्द्रों पर सकुशल सम्पन्न हुई। दो पालियों की बीएड प्रवेश परीक्षा में कुल 17891 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1940 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसमें परीक्षार्थियों की 89.16 प्रतिशत उपस्थिति रही। यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने प्रथम पाली में परिसर के विभिन्न केन्द्रों को औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम आईईटी, नवीन परिसर के चार केन्द्रों का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं मुख्य परिसर के रमन भवन और दीक्षा–प्रचेता भवन का भी निरीक्षण किया। दूसरी ओर कुलसचिव व अवध विवि के बीएड नोडल अधिकारी विनय कुमार सिंह ने नोडल समन्वयक प्रो. फर्रूख जमाल, जनपद समन्वयक प्रो. गंगा राम मिश्र, केन्द्र प्रतिनिधि डॉ. कमलेश ने जनपद के कॉलेजों का औचक निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं जिला प्रशासन के आलाधिकारियों द्वारा भी कई केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया।बीएड नोडल अधिकारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा को पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जनपद के 39 केन्द्रों पर दोनों पालियों में परीक्षार्थियों का प्रवेश बायोमेट्रिक आनलाइन डाटा बेस से वेरिफाई के उपरांत व तलाशी कर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया। इसके अतिरिक्त केन्द्रों की लाइव रिकार्डिंग भी कंट्रोल रूम से कराई गई। सभी केन्द्रों पर पर्यवेक्षकों, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। विवि बीएड नोडल समन्वयक प्रो. फर्रूख जमाल ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा सम्पन्न कराई गई। प्रथम पाली प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक व द्वितीय पाली की परीक्षा 2 बजे से सायं 05 बजे तक सम्पन्न हुई। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए अयोध्या जनपद 39 केन्द्र बनाये गए जिनमें विश्वविद्यालय परिसर में छह व अन्य कालेजों को केन्द्र बनाये गए। इन केन्द्रों की दो पालियों में 17891 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1940 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पारदर्शीपूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए जनपद में 78 पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई।

झाड़ू कैमरे के लिए, गंदगी जनता के लिए!

-स्वच्छता के दावों की खुली पोल, गलियों में कूड़े के ढेर, नालियों का गंदा पानी सड़कों पर

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में इन दिनों स्वच्छता का ऐसा अद्भुत दृश्य देखने को मिल रहा है कि यदि कोई बाहरी व्यक्ति केवल तस्वीरें देख ले तो उसे लगे कि शहर ने सीधे सिंगापुर की स्वच्छता व्यवस्था को चुनौती दे दी है। हर रविवार हर परिवार करे गंदगी पर प्रहार अभियान के तहत नेता और अधिकारी चमचमाती सड़कों पर झाड़ू चलाते और धूल हटाते दिखाई दिए। यहां फर्क बस इतना है कि झाड़ू से ज्यादा मेहनत कैमरे और फोटोग्राफर करते नजर आते हैं। रामपथ और मुख्य मार्गों पर सफाई का ऐसा श्रृंगार किया गया है कि मानो गंदगी को वहां प्रवेश करने के लिए विशेष अनुमति लेनी पड़े। लेकिन जैसे ही कोई नागरिक गलियों और मोहल्लों की ओर कदम बढ़ाता है, स्वच्छता अभियान की वास्तविकता उसका स्वागत करती मिल जाती है। कहीं कूड़े के ढेर अपनी स्थायी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, तो कहीं नालियों का पानी सड़कों पर बहकर विकास की नई धारा का एहसास करा रहा है। गुलाबबाड़ी, हैदरगंज, ऋषि टोला और फतेहगंज की गलियों में जैसे क्षेत्रों में गंदगी मानो नगर निगम की ओर से स्थायी स्मारक के रूप में संरक्षित कर दी गई हो। स्थानीय लोग बताते हैं कि कूड़ा उठाने वाले वाहन शायद जीपीएस में इन इलाकों का रास्ता खोज रहे हैं। पुलिस लाइन के सामने कूड़ा डंपिंग यार्ड में बाहर तक कचरा फैल कर संक्रामक रोगों को बुला रहा है। सबसे रोचक प्रश्न यह है कि टैक्स तो पूरे शहर से लिया जाता है, लेकिन सफाई का लाभ चुनिंदा मार्गों तक ही क्यों पहुंचता है? ऐसा प्रतीत होता है कि स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य गंदगी हटाना नहीं, बल्कि गंदगी के सामने मुस्कुराते हुए फोटो खिंचवाना रह गया है। अब जनता इंतजार कर रही है कि अभियान कैमरे के फ्रेम से निकलकर कभी मोहल्लों की गलियों तक भी पहुंचेगा या नहीं। समाजवादी पार्टी के महानगर सचिव हामिद मिशन जाफर ने नगर निगम पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान केवल कागजों और फोटो तक सीमित दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीनी हकीकत नगर निगम के दावों से बिल्कुल अलग है और आम जनता गंदगी के बीच रहने को मजबूर है। नगर निगम के स्वच्छता अभियान और जमीनी हालात के बीच दिख रहे इस अंतर ने शहर में नई बहस छेड़ दी है।

राष्ट्रहित के विषयों पर प्रधानमंत्री के विचारों का हुआ सामूहिक श्रवण

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का लाइव प्रसारण रविवार को भाजपा महानगर के सभी 419 बूथों पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता, नवाचार और जनभागीदारी से जुड़े विषयों पर रखे गए विचारों को कार्यकर्ताओं ने सुना। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने सहादतगंज क्षेत्र में कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 'मन की बात' देशवासियों को सकारात्मक सोच और जनसेवा के लिए प्रेरित करने वाला मंच बन चुका है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने करियप्पा मंडल के रिकाबगंज में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के विचार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जागरूकता का संदेश पहुंचाते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कौशलपुरी में कहा कि 'मन की बात' जनसरोकारों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने मणिराम दास जी की छावनी वार्ड में कहा कि कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने पार्टी कार्यालय सहादतगंज में कार्यक्रम सुनने के बाद कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों से प्रधानमंत्री का सीधा संवाद है। इसके माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन, जनभागीदारी, स्वदेशी, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के विषयों को निरंतर प्रोत्साहन मिलता है। वहीं पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने विद्याकुंड वार्ड में कहा कि प्रधानमंत्री के विचार आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, तिलकराम मौर्या, अरविंद सिंह, रवि शर्मा, शिवम् शुक्ला, प्रवीण दूबे, बाल कृष्ण वैश्य, मुकेश तिवारी, रवि सोनकर, कपिल देव वर्मा, हेमंत तिवारी, शशि प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र, जेपी श्रीवास्तव, पार्षद ज्ञान केसरवानी, सुशील मिश्र, सर्वज्ञ सिंह, रीना द्विवेदी, गरिमा मौर्या, वरूण चौधरी, प्रदीप यादव, स्वप्निल श्रीवास्तव, सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना।

आदर्श, न्यायप्रिय व लोककल्याणकारी शासक थीं अहिल्याबाई होल्कर- सुनील कृष्ण

अयोध्या। महान वीरांगना, लोककल्याणकारी शासिका एवं भारतीय संस्कृति की गौरवशाली प्रतीक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर कांग्रेस कार्यालय, कमला नेहरू भवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने तथा संचालन जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की एक आदर्श, न्यायप्रिय एवं लोककल्याणकारी शासक थीं। उन्होंने अपने शासनकाल में बिना किसी जातीय, धार्मिक साम्प्रदायिक भेदभाव के जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने स्वयं को शासक नहीं बल्कि ईश्वर की सेविका माना और अपना संपूर्ण जीवन जनकल्याण, सामाजिक न्याय तथा सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए समर्पित किया। आज के लोकतांत्रिक दौर में भी उनके आदर्श सुशासन, जनसेवा और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देते हैं। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने भारतीय संस्कृति, धार्मिक स्थलों और लोकहित के कार्यों के संरक्षण एवं संवर्धन में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने देशभर में मंदिरों, धर्मशालाओं, घाटों, कुओं और तालाबों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराया, किन्तु कभी भी समाज में टकराव या वैमनस्य को बढ़ावा नहीं दिया। काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के समय भी उन्होंने सद्भाव, संवाद और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाया। यही कारण है कि उन्हें सर्वसमाज की सम्मानित लोकमाता के रूप में स्मरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि काशी के मणिकर्णिका घाट स्थित अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को विकास कार्यों के नाम पर क्षतिग्रस्त किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था, जिससे जनमानस में व्यापक आक्रोश उत्पन्न हुआ। जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, सुरक्षा तथा सामाजिक न्याय की अग्रदूत थीं। उन्होंने व्यापार, उद्योग, कृषि और लोककल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए तथा सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को समान संरक्षण एवं सम्मान प्रदान किया। उनकी समावेशी सोच, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण और सामाजिक सद्भाव की नीति आज भी राजनीति और प्रशासन के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और भाईचारे का ऐसा उदाहरण है जिससे वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल, राज प्रताप सिंह, अशोक कुमार शर्मा, कल्लू शर्मा, अशोक कुमार राय, धर्मेंद्र सिंह फास्टर, दिलीप कुमार गौड़, रहबर एजाज सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

हाथों में झाड़ू लेकर स्वच्छता का संकल्प, चलाया गया महा स्वच्छता अभियान

-सरयू तट पर महापौर ने नगर आयुक्तसंग की सफाई, विधायक समेत सैकड़ों जनप्रतिनिधियों व संभ्रांतजन ने लिया हिस्सा

अयोध्या। स्वच्छ और सुंदर अयोध्या के संकल्प को साकार करने के लिए रविवार को नगर निगम ने एक रविवार, हर परिवार करे गंदगी पर वार अभियान चलाया तो शहर में अभूतपूर्व जनसहभागिता देखने को मिली। हाथों में झाड़ू और स्वच्छता का संदेश लिए हजारों नागरिक, पार्षद एवं अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, विद्यार्थी और स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य सड़कों पर उतर आए। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार संग लता चौक से सरयू तट तक झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की।प्रातःकाल 7.00 बजे से शहर के विभिन्न वार्डों, प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों एवं बाजारों में सफाई अभियान चलाया गया। लोगों ने अपने घरों, मोहल्लों और आसपास के क्षेत्रों की साफ–सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। अभियान के दौरान अयोध्या वासियों ने ने कूड़ा निर्धारित स्थानों पर डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने तथा शहर को स्वच्छ बनाए रखाने की शपथ भी ली। अभियान में प्रमुख रूप से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, चंद्रभानु पासवान, केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल, अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बृजेंद्र सिंह, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य दानपति तिवारी आदि ने अभियान में भागीदारी की। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पाण्डेय ने बताया कि जनसहभागिता और उत्साह से परिपूर्ण इस महाअभियान ने अयोध्या में स्वच्छता के प्रति नई चेतना का संचार किया। अभियान में राम का घर के प्रबंधक आलोक सिंह राना, उम्मीद संस्था की रीना सिंह उम्मीद संस्था की रुचिरा सिंह, शैल कुमारी, जोगिंदर कौर, आशीष कौर आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। कौशलपुरी कॉलोनी में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, पार्षद धर्मवीर, ब्रजनाथ सिंह, डॉ. बीएन राय, एसके तिवारी, श्यामेश कुमार सिंह, सूर्यभान सिंह, पूनम सिंह, संध्या सिंह, राधिका सिंह, उषा राय, किरण तिवारी, नमीता वर्मा, कुमारी पूनम, सरोज सिंह, सहायक नगर आयुक्त सौरभ नाथ, अरुण प्रताप सिंह, रमेश कनौजिया, प्रदीप कुमार वर्मा सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रही। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कबीर नगर व अश्विनीपुरम वार्ड में सफाई अभियान चलाया।

शहीद हेमू कालाणी की नवनिर्मित सात फुट की प्रतिमा पहुंची अयोध्या

अयोध्या। सिंधी समाज की संस्था सिंधु सेवा समिति द्वारा सदर तहसील स्थित अमर शहीद हेमू कालाणी पार्क में सात फुट की प्रतिमा रविवार को जयपुर से अयोध्या पहुंची। संस्था अध्यक्ष अमृत राजपाल ने बताया कि अमर शहीद हेमू कालाणी की नव निर्मित विशाल सात फुट प्रतिमा को पुनर्स्थापित करके शीघ्र होगा भव्य अनावरण राजपाल ने बताया अमर शहीद हेमू कालाणी की नवीन प्रतिमा हेतु अमृत बॉटलर्स के निदेशक राकेश लधानी परिवार द्वारा सहयोग दिया गया। राजपाल ने बताया कि संसद भवन में लगी अमर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा की तर्ज पर बनी नवीन अमर शहीद हेमू कालाणी प्रतिमा। संस्था उपाध्यक्ष जय प्रकाश क्षेत्रपाल ने बताया कि मूर्ति लेने हेतु जयपुर संस्था के पदाधिकारी तीन बार गए थे और भव्य प्रतिमा का वहां बनाने हेतु आर्डर दिया गया था जो कि अब अयोध्या में आ चुकी है जिसे क्रेन द्वारा सुरक्षित उतारा गया। अमर शहीद हेमू कालाणी पार्क में सिंधु सेवा समिति के अध्यक्ष अमृत राजपाल, महामंत्री नरेंद्र क्षेत्रपाल, संरक्षक मोहन मध्यान, उपाध्यक्ष जयप्रकाश क्षेत्रपाल, मंत्री गोविंद चावला, मंत्री पुरुषोत्तम दास, प्रकाश नंदवानी, विकास अंदानी, गिरीश त्रिपाठी, संजय श्रीवास्तव,सरोज यादव आदि मौजूद रहे।

यूरिया की समस्या को लेकर आज होगी किसान महापंचायत

अयोध्या। यूरिया खाद की कालाबाजारी,टैगिंग तथा कमी व थोक रेट को घोषित करने की मांग को लेकर 1 जून 2026 को जिला कृषि अधिकारी अयोध्या के कार्यालय पर किसान महापंचायत की जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि यूरिया खाद में तरह–तरह की समस्याएं पैदा की जा रही हैं, यूरिया खाद किसानों को नहीं मिल रही है, यूरिया खाद की कालाबाजारी की जा रही है, यूरिया खाद के साथ जबरदस्ती टैगिग किया जा रहा है और यूरिया खाद का फुटकर दाम तो घोषित है परंतु थोक दाम घोषित न होने के कारण थोक विक्रेताओं द्वारा फुटकर विक्रेताओं का बड़े पैमाने पर शोषण किया जा रहा है जिसका परिणाम होता है की फुटकर विक्रेता भी किसान का शोषण करता है यदि थोक दर घोषित हो जाए तो बहुत समस्याओं का समाधान हो जाएगा। घनश्याम वर्मा ने कहा कि 249. 50 पैसे प्रति बोरी के दर से साधन सहकारी समितियां तक यूरिया खाद पहुंचाई जाती है वहीं थोक विक्रेताओं द्वारा निजी दुकानदारों को 260 से 280 रुपए प्रतिबोरी गोदाम पर दिया जाता है जो किसी भी दशा में उचित नहीं है। घनश्याम वर्मा ने बताया कि समस्याओं का ज्ञापन जिला अधिकारी अयोध्या तथा जिला कृषि अधिकारी अयोध्या को 10 दिन पहले दिया जा चुका है जिसका समाधान अभी तक नहीं किया गया है।

पांच सौ स्थानों पर चला सामूहिक स्वच्छता अभियान - महापौर

महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि जब पूरा समाज मिलकर स्वच्छता के लिए आगे आता है, तब शहर की तस्वीर बदल जाती हैं। वह सर्किट हाउस में पत्रकारों से मुखातिब थे। उन्होंने बताया कि निगम क्षेत्र के लगभग पांच सौ स्थानों पर एक साथ सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें 25 हजार नगर वासियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान में भागीदारी के लिए 60 वार्डों के 54 हजार लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने नागरिकों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि नगर के सभी 60 वार्डों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। इस मौके पर अपर नगर भारत भार्गव मौजूद थे। महापौर ने राम के घर के प्रबंधक आलोक सिंह राना एवं इंद्रजीत शुक्ल समेत कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाने वाले सहयोगियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

ओवरब्रिज के नीचे बनेगा खेल मैदान, 2.61 करोड़ रुपये से बनेगा मिनी क्रिकेट मैदान

अयोध्या। रामनगरी अब स्मार्ट सिटी योजना के तहत खेल सुविधाओं और शहरी विकास की नई मिसाल पेश करने जा रही है। जीआईसी से फतेहगंज ओवरब्रिज के नीचे एक नया मिनी क्रिकेट मैदान और बच्चों का खेल क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 2.61 करोड़ रुपये तय की गई है। यह विकास कार्य न केवल स्थानीय बच्चों और युवाओं के लिए खेल की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा, बल्कि क्षेत्र की तस्वीर को पूरी तरह बदल देगा।

स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत प्रस्तावित इस कार्य में फतेहगंज ओवरब्रिज के नीचे की खाली पड़ी जगह का सदुपयोग किया जाएगा। वर्तमान में यह क्षेत्र अनुपयोगी पड़ा हुआ है, लेकिन अब यहां कंक्रीट पेवमेंट, बच्चों का पार्क, क्रिकेट नेट प्रैक्टिस एरिया, सतह पार्किंग, लैंडस्केपिंग और विद्युत सौंदर्यीकरण जैसे कार्य कराए जाएंगे।

मिनी क्रिकेट मैदान में प्रोफेशनल स्तर की नेट प्रैक्टिस सुविधा होगी, जिससे स्थानीय युवा और बच्चे बिना किसी बाधा के क्रिकेट का अभ्यास कर सकेंगे। बच्चों के पार्क में स्विंग, स्लाइड, सी–सॉ और अन्य आधुनिक खेल उपकरण लगाए जाएंगे। लैंडस्केपिंग के तहत सुंदर बगीचे, वॉकवे, बेंच और हरे–भरे पौधे लगाए जाएंगे, जो पूरे क्षेत्र को मनोरम बना देंगे। शाम के समय एलईडी लाइटिंग और आकर्षक विद्युत सज्जा से यह जगह पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या को स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ओवरब्रिज के नीचे की जगह का उपयोग करके शहर में खेल–कूद और मनोरंजन की कमी को पूरा किया जा रहा है। यह परियोजना बहुउद्देशीय होगी, जहां बच्चे खेलेंगे, युवा प्रैक्टिस करेंगे, वहीं बुजुर्गों के लिए भी आरामदायक बैठने की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था से आसपास के यातायात पर बोझ कम होगा और क्षेत्र में अनुशासन बनेगा।सौंदर्यीकरण के कार्य से फतेहगंज ओवरब्रिज के आसपास का पूरा इलाका आधुनिक और स्वच्छ दिखाई देगा। आज के समय में बच्चों का शारीरिक विकास और खेलकूद की आदत बहुत जरूरी है। स्कूलों के बाद या छुट्टियों में बच्चे अक्सर घरों में मोबाइल–टीवी तक सीमित रह जाते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय ठगी गिरोह के 10 अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के कसया पुलिस ने एसटीएफ गोरखपुर टीम की मदद से बड़ी कार्यवाही करते हुए नेपाल के नागरिकों को पढ़ाई एवं नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश कर कुल 10 अभियुक्त 08 पुरुष एवं 02 महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में कूटरचित दस्तावेज, आभूषण, लैपटॉप एवं नगद राशि, इंडियन करेन्सी, नेपाली करेन्सी बरामद किया है। एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन मे कुशीनगर पुलिस द्वारा जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में विगत कुछ दिनों से थाना कसया क्षेत्र में विभिन्न स्रोतों से यह सूचना प्राप्त हो रही थी कि कुछ नेपाली नागरिक कुशीनगर में विभिन्न स्थानों पर किराए का मकान लेकर नेपाल के नागरिकों को नौकरी तथा मार्केटिंग नेटवर्क के माध्यम से अच्छी कमाई का लालच देकर यहां बुला रहे हैं। इसके बाद उनसे विभिन्न मदों में धन ऐंठकर धोखाधड़ी करते हुए उन्हें वापस नेपाल भेज दिया जाता है।

ग्रामोदय विवि में संपन्न हुआ लोकमाता अहिल्याबाई जयंती एवं नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जयंती एवं नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ माँ सरस्वती एवं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. नंदलाल मिश्र ने की। मुख्य वक्ता प्रो. नीलम चौरे ने लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन, व्यक्तित्व एवं उनके लोक कल्याणकारी कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. अजय चौरे ने उनके धार्मिक एवं सांस्कृतिक योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने देश के अनेक प्रमुख तीर्थस्थलों के संरक्षण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. सीपी गूजर ने किसानों, वंचित वर्गों और समाज के कमजोर तबकों के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों को रेखांकित किया। प्रो. रघुवंश प्रसाद बाजपेई ने अपने उद्बोधन में मंदिरों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के क्षेत्र में लोकमाता के योगदान को स्मरण किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. नंदलाल मिश्र ने कहा कि जीवन की अनेक विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद अहिल्याबाई होल्कर ने अद्भुत धैर्य, न्यायप्रियता और जनसेवा का परिचय दिया। उन्होंने काशी विश्वनाथ, केदारनाथ, सोमनाथ और विष्णुपद जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण एवं संरक्षण में ऐतिहासिक योगदान दिया।

48 घंटे से अंधेरे में डूबे खोही के ग्रामीण -क्षेत्र में बिजली-पानी संकट से जनता बेहाल

चित्रकूट। जिले के खोही एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले 48 घंटे से विद्युत आपूर्ति ठप होने के कारण लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कटौती के कारण पेयजल व्यवस्था भी चरमरा गई है, जिससे लोगों को पानी के लिए इधर–उधर भटकना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि लगातार दो दिनों से बिजली न आने के कारण घरों में लगे पंखे, कूलर और अन्य आवश्यक उपकरण बंद पड़े हैं। भीषण गर्मी और उमस के चलते बुजुर्गों, महिलाओं तथा बच्चों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं बिजली आपूर्ति बाधित होने से अधिकांश क्षेत्रों में पानी की सप्लाई भी प्रभावित हो गई है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। ग्रामीणों द्वारा कई बार विद्युत विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन आरोप है कि उनके फोन तक नहीं उठाए जा रहे हैं। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई तकनीकी समस्या है तो विभाग को इसकी स्पष्ट जानकारी जनता को देनी चाहिए, ताकि लोगों को अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। क्षेत्र में बिजली और पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों का सवाल है कि आखिर विद्युत आपूर्ति कब बहाल होगी और पेयजल संकट से उन्हें कब राहत मिलेगी।

महिला की मौत पर परिजनों ने लू की जताई आशंका

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के खरसेड़ा गांव निवासी राममनी (45) की शनिवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने लू लगने से मौत की आशंका जताई है। भतीजे शैलेंद्र पांडेय ने बताया कि राममनी दो दिन पहले अपने पति राजबहादुर के साथ एक बीमार रिश्तेदार का हालचाल लेने सतना गई थीं। शुक्रवार को लौटते समय रास्ते में उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी–दस्त की शिकायत होने लगी। स्वजन लगातार उनका उपचार कराते रहे, लेकिन शनिवार को हालत अधिक गंभीर हो गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी निशिकांत राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि हो सकेगी। मृतका अपने पीछे चार पुत्र और एक पुत्री छोड़ गई हैं।

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी बने डा. मौर्य, शिक्षाविदों ने जताई उम्मीद

मीरजापुर(आरएनएस)। उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव सकील अहमद सिद्दीकी के आदेश पर डॉ रमोद कुमार मौर्य को मिर्जापुर का क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए क्षेत्र के शिक्षाविदों ने खुशी जताई है।श्रीमती इंदिरा गांधी राजकीय पीजी कॉलेज लालगंज के प्राचार्य डॉ अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ. मौर्य के नेतृत्व में क्षेत्र के महाविद्यालयों को बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन मिलेगा। उनके अनुभव और कार्यशैली का लाभ उच्च शिक्षा संस्थानों को प्राप्त होगा। डॉ डीएन गिरी ने कहा कि नई जिम्मेदारी मिलने से क्षेत्रीय कार्यालय के माध्यम से शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन और शैक्षिक गतिविधियों के संचालन को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ मौर्य अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करेंगे।डॉ लक्ष्मी यादव तथा प्राचार्य डॉ रीना सिंह ने कहा कि डॉ रमोद कुमार मौर्य कुशल प्रशासक, अनुभवी शिक्षाविद और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी हैं। उनके कार्यकाल में उच्च शिक्षा से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता, समन्वय और गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर डा शिवाली पांडेय, अंबेश्वरी प्रसाद पांडे, सुशील द्विवेदी, शमला पटेल आदि रहे।

गिट्टी लादकर जा रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर नेशनल हाईवे पर पलटा,बाल बाल बचा चालक

मीरजापुर(आरएनएस)। ड्रमंडगंज क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के पास रविवार सुबह गिट्टी लादकर मीरजापुर की ओर जा रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। संयोग ठीक था कि हादसे में ट्रेलर चालक बाल बाल बच गया। मध्यप्रदेश से गिट्टी लादकर मीरजापुर की ओर जा रहा ट्रेलर जैसे ही लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के आगे पहुंचा तो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। घटना में 30 वर्षीय ट्रेलर चालक संजय निवासी लहुरियादह बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंचे एसआई सुभाष यादव हेड कांस्टेबल घनश्याम यादव ने घटना की जांच की।ट्रेलर पलटने से एक लेन से आवागमन बाधित हो गया है। वाहन मध्यप्रदेश की ओर जाने वाले लेन से आवागमन कर रहे हैं।एसआई सुभाष यादव ने बताया कि लहुरियादह गांव में हाइवे पर गिट्टी लदे ट्रेलर के पलटने से एक लेन से आवागमन बाधित हो गया है।पलटे ट्रेलर को हटवाने के एनएचएआई और ट्रेलर मालिक को सूचित कर दिया गया है।

बालू भरी बोरियों से कटान को रोकने का किया जा रहा प्रबन्ध

आजमगढ़ (आरएनएस) महराजगंज विकासखंड के उत्तरी क्षेत्र में प्रतिवर्ष बाढ़ और कटान के चलते सैकड़ो एकड़ कृषि योग्य भूमि तथा लोगों के आशियाने सरयू नदी की धारा में समाहित हो जाते हैं । गत वर्ष भी नदी की कटान से मलहपुरवा ग्राम पंचायत के तीन गांवों गंगापुर, पुरनिया तथा तिवारीपुर के अस्तित्व समाप्ति का खतरा मंडरा रहा था । सम्बंधित गांवों को बचाने के लिए इस वर्ष बाढ़ खंड द्वारा तीन करोड़ छिहत्तर लाख का प्रस्ताव तैयार कर गोरखपुर की कार्यदाई संस्था से अनुबंध कर गत 15 अप्रैल से कार्य प्रारंभ कराया गया है । कटान का रुख मोड़ने के लिए एक किमी की दूरी में बोरियों में रेत भरकर 10कटर, पर्की पाइन तथा पीचिंग का कार्य कराया जा रहा है । कार्ययोजना का लगभग पचास प्रतिशत कार्य पूरा भी किया जा चुका है, किन्तु सम्बंधित ग्रामवासी इतनी भारी भरकम धनराशि खर्च के बावजूद भी कटान से बचाव को लेकर आस्वस्थ नहीं हैं । ग्रामीणों का कहना है कि यह इतना अस्थाई कार्य किया जा रहा है कि पानी बढ़ने के साथ रेत की बोरियां पानी के वेग को रोकने में नाकाम हो जायेंगी ।

शनिवार को शाम महराजगंज ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पारसनाथ यादव ने मौके पर जाकर सम्बंधित कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया तथा उपस्थित अवर अभियंता उपेंद्र श्रीवास्तव से इस्टीमेट व कार्ययोजना के पेपर की मांग किया तो अभियंता द्वारा प्रपत्र की पीडीएफ मोबाइल में होने व मोबाइल स्विच आफ होने का हवाला देते हुए उपलब्ध नहीं कराया गया । सहायक अभियंता अभिषेक सिंह पटेल ने फोन पर बताया कि यह कार्य गोरखपुर के ठेकेदार दीपक पांडेय द्वारा कराया जा रहा है जो 15 जुलाई तक समाप्त होना है । बाकी जानकारी के लिए मैं अधिकृत नहीं हूं । अधिशासी अभियंता से बात करें । प्रमुख प्रतिनिधि पारसनाथ यादव ने कहा कि पूर्व की सरकारों में ऐसे न जाने कितने गांव सरयू की धारा में विलीन हो गए किन्तु उन्हें बचाने का कोई प्रयास नहीं किया गया

। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी की संवेदनशीलता का यह प्रमाण है जो दिख रहा है । कार्य निरीक्षण का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण कार्य हो तथा सरकारी धन का लाभ लोगों को मिल सके । वैसे जो भी हो उक्त गांवों का अस्तित्व बचना भविष्य के गर्त में है, किन्तु बचाव की कवायद में करोड़ों रूपये पानी में पानी की तरह खर्च किये जा रहे हैं ।

-ग्रामीणों को बाल श्रम रोकने व बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का दिलाया गया संकल्प

चित्रकूट। बाल श्रम उन्मूलन के लिए 44 दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति द्वारा जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन' के सहयोग से रामनगर विकासखंड की ग्राम पंचायतों घूरेहटा, सिंहपुर, खजुरिया कला, अमवा, भदेवरा, रंगौली, करौंदी कला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों, अभिभावकों, किशोर–किशोरियों एवं बच्चों को बाल श्रम के दुष्प्रभावों, बच्चों के संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा के महत्व तथा बाल संरक्षण संबंधी कानूनों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के सचिव 'शंकर दयाल' ने कहा कि बाल श्रम केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन और कानूनन दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है। बच्चों से मजदूरी करवाने के कारण उनका शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षिक विकास बाधित होता है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित होता है। इसलिए समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता फैलाए और बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग करे। उन्होंने बताया कि 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त है। बाल श्रम मुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है जब प्रत्येक बच्चा विद्यालय में हो और किसी भी बच्चे का बचपन मजदूरी में न बीते। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी एवं बच्चों के अन्य प्रकार के शोषण के प्रति भी जागरूक किया गया।

मोबाइल चोरी के शक में युवक को पकड़ने पहुचे लोगों ने पिता पर किया चाकू से हमला, मौत

-मंदाकिनी नदी पुल घाट पर दिनदहाड़े वारदात से सनसनी

चित्रकूट। जिले के मंदाकिनी पुल घाट के पास रविवार को अपरान्ह करीब साढ़े तीन हुई सनसनीखेज वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मोबाइल चोरी के शक में एक युवक को पकड़ने पहुंचे चार लोगों ने उसके पिता पर चाकू से हमला कर दिया। भागते समय आरोपितों ने मृतक के भाई, भाभी व बहू को भी घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली कर्वी क्षेत्र के पुल घाट के किनारे रहने वाले रिंकू निषाद मंदाकिनी नदी में नहा रहा था। इसी दौरान कपसेठी क्षेत्र के कुछ लोग वहां पहुंचे और मोबाइल चोरी के शक में उसे घेरने लगे। दूर से यह .श्य देख रहे उसके पिता बिट्टी निषाद (44) अपने बेटे को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान चार युवकों ने बिट्टी निषाद को पकड़ लिया और उनकी गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया। वार इतना गंभीर था कि वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल भेजा। उपचार शुरू होने से पहले ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, सीडीओ डीपी पाल फारेंसिंक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मुआयना किया। एसपी ने बताया कि मृतक के बेटे ने चार लोगों के नाम बताए हैं। जिनकी गिरतारी के लिए पुलिस टीमों को रवाना कर दिया गया है। परिजनों की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

पोस्टमार्टम के लिए एक सप्ताह से वाराणसी के बीएचयू में पड़ा है मृतक का शव

मीरजापुर(आरएनएस)। लालगंज तहसील क्षेत्र के तुलसी गांव निवासी मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए एक सप्ताह से वाराणसी के बीएचयू में पड़ा है। हिंदु रीति रिवाज निभाने के लिए परिजन परेशान हैं। घर में एक सप्ताह से चुल्हा नहीं जल रहा है। पत्नी और बेटो बहुओ का रो रोकर बुरा हाल है। इस मामले में प्रशासन भी असहाय बना रहा।

लालगंज थाना क्षेत्र के तुलसी गांव निवासी 65 वर्षीय मुन्नालाल यादव का कंकाल नुमा शव घर से 3 किलोमीटर दूर जंगल में एक पेड़ में रस्सी के फंदे में लटका मिला था। विगत 11 अप्रैल से लापता हुए मुन्ना लाल यादव का शव 45 दिन बाद 26 मई को मिला था।शव मिलने के एक सप्ताह बाद भी स्वजन पोस्टमार्टम एवं शव का अंतिम संस्कार के लिए दर–दर भटक रहे हैं, लेकिन न तो पोस्टमार्टम हो पा रहा है और न उनका अंतिम संस्कार स्वजन कर पा रहे हैं। स्वर्गीय मुन्ना लाल यादव की पत्नी गीता देवी और चार बेटों बहुओं का रो–रो कर बुरा हाल हो गया है। बेटा प्रदुम यादव एवं पत्नी गीता देवी ने बताया कि पोस्टमार्टम के लिए पुलिस द्वारा बीएचयू वाराणसी ले जाया गया। लेकिन रेफर हुए कागज में तकनीकी कमी के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो पा रहा है। स्वजन का कहना है कि मीरजापुर के जिला अधिकारी का वाराणसी के डीएम को पत्र जाएगा तब डीएम वाराणसी के आदेश पर सीएमओ मुन्ना लाल यादव के कंकाल का पोस्टमार्टम कराएंगे।इधर मृतक की पत्नी गीता देवी ने बताया कि हिंदू रीति रिवाज से अंतिम संस्कार जब तक नहीं होगा आत्मा भटकेगी। बिना अंतिम संस्कार के घर में चूल्हा भी नहीं जल पा रहा है किसी तरह बच्चों को दूसरे के यहां भोजन कराया जा रहा है और स्वजन पानी के सहारे और आलू खाकर जिंदा है।तुलसी गांव के रहीम खान व कमलेश कुमार, पूर्व प्रधान बालचंद शुक्ला का कहना है कि मीरजापुर और वाराणसी के जिला प्रशासन को संज्ञान लेते हुए को अभिलंब शव का पोस्टमार्टम के करा कर शव स्वजनों को सौंप देना चाहिए। इस संबंध में जानकारी देते हुए लहंगपुर चौकी प्रभारी सुजीत कुमार सेठ ने बताया कि बीएचयू में पैनल द्वारा पोस्टमार्टम के लिए मीरजापुर के जिलाधिकारी द्वारा रविवार को वाराणसी के जिलाधिकारी को पत्र जा रहा है सीएमओ द्वारा गठित पैनल से पोस्टमार्टम करेगी।

प्रभारी सीएमओ डा. उमाशरण पांडेय की सख्ती आई सामने, आरोग्य मेले के निरीक्षण में अनुपस्थित एएनएम पर कार्रवाई के निर्देश

आजमगढ़ (आरएनएस)जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आमजन तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. उमाशरण पांडेय लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दौरान उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि मरीजों की सेवा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान डॉ. उमाशरण पांडेय ने मंचोभा, महाराजपुर और फरिहाँ स्वास्थ्य केंद्रों का भ्रमण किया। उन्होंने दवा उपलब्धता, जांच सुविधाओं, साफ–सफाई और कर्मचारियों की उपस्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। फरिहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक एएनएम बिना सूचना अनुपस्थित मिलीं, जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण तलब करने और संतोषजनक जवाब न मिलने तक वेतन रोकने की कार्रवाई के निर्देश दिए।प्रभारी सीएमओ ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेला केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि गरीब, जरूरतमंद और दूरदराज के लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का माध्यम है। ऐसे में कर्मचारियों की अनुपस्थिति सीधे जनता के हितों को प्रभावित करती है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों की साफ–सफाई, दवाओं की उपलब्धता और जांच सुविधाओं को लेकर की जांच, कुपोषित बच्चों की पहचान, गोल्डन कार्ड निर्माण और विभिन्न बीमारियों के मरीजों को आवश्यक उपचार प्रदान किया

भी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मंचोभा स्वास्थ्य केंद्र में गंदगी मिलने पर तत्काल सुधार के आदेश दिए गए, जबकि महाराजपुर स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।डॉ. उमाशरण पांडेय ने बताया कि जनपद में आयोजित 77 मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों में 1725 मरीजों का उपचार किया गया। मेले में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित हजारों लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही गर्भवती महिलाओं को आवश्यक उपचार प्रदान किया गया।उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से अपील की कि वे जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।डॉ. उमाशरण पांडेय की सक्रिय कार्यशैली और सख्त निगरानी से स्वास्थ्य विभाग में जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीडीओ ने बीएड संयुक्तप्रवेश परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

चित्रकूट। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा आयोजित बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा को जनपद में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जनपद के प्रमुख परीक्षा केंद्र चित्रकूट इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी तथा गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेड़ी पुलिया का भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी सर्विलांस, अभ्यर्थियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत प्रशासनिक प्रबंधों की सघन समीक्षा की। व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने परीक्षा ड्यूटी में तैनात सभी नोडल अधिकारियों, केंद्र व्यवस्थापकों एवं पर्यवेक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पारदर्शी, नकलविहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। परीक्षा की गरिमा से समझौता करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रवेश द्वारों पर सघन तलाशी सुनिश्चित करने तथा परीक्षा कक्षों में कड़ी निगरानी रखने के भी निर्देश दिए।

सड़क पर गड्ढा, जलभराव से आवागमन हुआ दूभर

चित्रकूट। मुख्यालय के वार्ड नं 20 पासी तिराहा के पास कच्ची छावनी को जोड़ने वाली रोड़ खस्ताहाल है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक ठेकेदार ने 15 दिन पूर्व सड़क को खुदवा दिया। जिससे वहां गढ्ढा हो गया और एक पाइप लाइन भी टूट गई। दो दिन पूर्व आंधी और बरसात से वहां जल भराव के कारण आवागमन दूभर है। सभासद अनुज निगम ने बताया कि ठेकेदार की लापरवाही से स्थानीय लोग परेशान हैं। जबकि यह सबसे व्यस्ततम सड़क है। दिनभर वाहन गुजरते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनहोनी हो सकती है। मोहल्ले के शिवपूजन द्विवेदी, बलराम मिश्रा, सूरजदीन, शरद गुप्ता, जानकीशरण, नत्थूलाल, द्वारिका प्रसाद आदि लोगों ने कहा कि आये दिन लोग गिरकर चुटहिल होते है। प्रशासन से मांग किया कि समस्या से निजात दिलाया जाए।

एसपी ने तम्बाकू सेवन एवं धूम्रपान न करने की दिलाई शपथ

चित्रकूट। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स व एसपी कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तम्बाकू एवं धूम्रपान से दूर रहने तथा अपने कार्य स्थल, आसपास के वातावरण को तम्बाकू मुक्त बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर तम्बाकू उत्पादों के सेवन एवं धूम्रपान से दूर रहने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने, तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। तम्बाकू सेवन से होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए सभी कार्मिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया।

सेवानिवृत उपनिरीक्षक को दी गयी विदाई

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में क्षेत्राधिकारी फायर यदुनाथ सिंह की उपस्थिति में पुलिस विभाग में अपनी सेवा देकर अधिवर्षता पूर्ण करने वाले एसआई सशस्त्र पुलिस राजकिशोर सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। एसपी ने उपनिरीक्षक को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंटकर बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक रामशीष यादव एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने आठ वारंटियों को किया गिरतार

चित्रकूट। रैपुरा थाना के एसआई सुनील कुमार राय ने टीम के साथ वारण्टी फूलचन्द्र पटेल पुत्र राजाराम पटेल, श्रवण कुमार पुत्र आनन्दी प्रसाद, मारकुंडी थाना के एसआई अरविन्द कुमार सिंह ने टीम के साथ आबकारी अधिनियम के वारण्टी जगदीश कुशवाहा पुत्र भागवत प्रसाद निवासी इटवा डुडैला, मानिकपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार पांडेय ने टीम के साथ जुआ अधिनियम के वारण्टी आकाश पुत्र आल्हा निवासी इन्द्रा नगर, थाना बहिलपुरवा के एसआई राजेश चौरसिया ने टीम के साथ एससी एस्टी एक्ट के वारण्टी बिन्देश्वरी तिवारी उर्फ खुत्थी पुत्र सत्यनारायण तिवारी निवासी ऐचवारा, मऊ थाना के एसआई अभिषेक कुमार वर्मा ने टीम के साथ वारण्टी चन्दन बाबू पुत्र रामप्रताप, मऊ थाना के एसआई रामअधार सिंह ने टीम के साथ वारण्टी कुलदीप पुत्र शिवनाथ उर्फ शिवलाल निवासी ग्राम मटियारा, सरधुवा थाना के एसआई अरविन्द कुमार पांडेय ने टीम के साथ आबकारी अधिनियम के वारण्टी कुलदीप पुत्र शिवनाथ उर्फ शिवलाल निवासी ग्राम मटियारा व कोतवाली कर्वी के एसआई अरविन्द कुमार सिंह ने टीम के साथ आईटी एक्ट के वारण्टी शिवाकान्त पुत्र नत्थू निवासी खोह को गिरतार किया है।

एंटी रोमियो टीमो ने मिशन शक्ति के बताए उद्देश्य

चित्रकूट। मिशन शक्ति फेज का द्वितीय चरण महिलाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन की नई पहल जिले में महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन को समर्पित पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया। हेल्पलाइन नम्बरों व कानूनी प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जागरूकता एवं शिकायत निस्तारण, स्कूल व कॉलेज, वर्किंग वूमेन हॉस्टल में जागरूकता कार्यक्रम, निम्न आय वर्ग बस्तियों, गांवों, वार्डों, मोहल्लों में चौपाल कार्यक्रम प्रमुख बाजारों, कस्बों व चौराहों पर जागरूकता व शिकायत निस्तारण किया गया। प्रत्येक थाना क्षेत्र की महिला बीट पुलिस द्वारा जन जागरूकता, साइबर अपराध से बचाव एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी, महिला समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। इस दौरान उपस्थित महिलाओं को अवगत कराया गया कि सभी थानों में महिलाओ की सुरक्षा सहायता के लिए महिला हेल्पडेस्क बनाया गया है। जहाँ पर महिला पुलिसकर्मी द्वारा महिलाओं की शिकायत सुनी जाती है तथा समय से उनका निस्तारण किया जाता है।

आरसीबी ने रचा इतिहास, गुजरात टाइटन्स को हराकर लगातार दूसरी बार जीता खिताब, विराट कोहली बने जीत के महानायक

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 75 रन) के अर्धशतक से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरा खिताब अपने नाम कर खचाखच भरे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपने दर्शकों को खुशियां मनाने का मौका दिया। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के हाई–वोल्टेज फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से धूल चटाकर इतिहास रच दिया है। खचाखच भरे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गेंदबाजों के ध ाारदार प्रदर्शन के बाद दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली (नाबाद 75 रन) की जांबाज अर्धशतकीय पारी के दम पर आरसीबी ने लगातार दूसरा आईपीएल खिताब अपने नाम किया। पिछले सीजन में 18 साल का सूखा खत्म कर पहली ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी अब मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद लगातार दो खिताब जीतने वाली इतिहास की तीसरी टीम बन गई है। मैच का अंत विराट कोहली के बल्ले से निकले एक कड़क छक्के के साथ हुआ, जिसने स्टेडियम में मौजूद हजारों प्रशंसकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।टॉस जीतकर गेंदबाजी करने वाली आरसीबी के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए गुजरात टाइटन्स को आठ विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। छह दिन में तीसरे स्थल पर तीसरा मैच खेल रही गुजरात टाइटन्स पर थकान हावी दिखी। इसके बाद कोहली (42 गेंद, नौ चौके और तीन छक्के) और वेंकटेश अय्यर (32 रन) की अच्छी शुरूआत दिलाई जिससे आरसीबी 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर मुंबई इंडियंस (पांच ट्रॉफी) और चेन्नई सुपर किंग्स (पांच ट्रॉफी) के बाद लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बन गई।कोहली ने पैर में हो रही दिक्कत के बावजूद आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, उन्होंने 25 गेंद में सात चौके और दो छक्के से पचास रन पूरे किए। फिजियो जांच करने के बाद दो बार मैदान में उनके लिए मैदान में आए, पर वह दर्द को भुलाकर अपनी टीम

को जीत तक पहुंचाने में डटे रहे। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की लाल और काली मिट्टी के मिश्रण वाली पिच पर शॉट खेलना बिलकुल भी आसान नहीं था जो गुजरात टाइटन्स की बल्लेबाजी को देखकर साफ झलक रही थी जिससे आरसीबी के लिए रसिख सलाम ने तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने दो दो विकेट चटकाए। कृणाल पंड्या ने 23 रन देकर एक विकेट झटका। लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था।कोहली और अय्यर ने पहले सतर्क शुरूआत करते हुए हाथ खोले जिससे पहले ओवर में पांच रन बने। दूसरे ओवर में अय्यर ने रबाडा की पहली गेंद को कवर प्वाइंट पर चौके के लिए भेजा और तीसरी गेंद को वाइड मिड विकेट पर छक्के के लिए भेज दिया। अगली गुड लेंथ गेंद पर उन्होंने मिड ऑफ पर चौका जड़ दिया और ओवर का अंत विकेटकीपर के ऊपर चौके से किया। इस ओवर में 18 रन बने।

तीसरे ओवर में कोहली ने मोहम्मद सिराज पर डीप फाइन लेग और डीप स्क्वायर लेग पर दो चौके लगाए। अय्यर ने भी डीप मिडविकेट पर चौका बटोरकर इस ओवर से टीम के खाते में 13 रन जोड़ने में मदद की। कोहली ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए चौथे ओवर में रबाडा पर तीन चौके और एक छक्के से 19 रन जोड़े जिससे आरसीबी का रनों का अर्धशतक पूरा हुआ। अय्यर ने पांचवें ओवर में सिराज की बाउंसर पर बैकफुट में जाकर हुक करते हुए लांग लेग पर छक्का जड़ा।लेकिन अगली ही गेंद को ऊंचा खेलने की कोशिश में मिड ऑन पर खड़े रबाडा को कैच दे बैठे। लेकिन तब तक वह 16 गेंद में चार चौके और दो छक्के से 32 रन बना चुके थे। कोहली और अय्यर ने इस तरह 27 गेंद में पहले विकेट के लिए 62 रन की भागीदारी निभाई। देवदत्त पडीक्कल (01) आते ही रबाडा की गेंद का शिकार हो गए। पर कोहली ने पावरप्ले के अंतिम ओवर का अंत लांग लेग पर छक्का लगाकर किया इससे छह ओवर में आरसीबी ने दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। राशिद खान (25 रन देकर दो विकेट) ने नौवें ओवर में आरसीबी को कप्तान रजत पाटीदार (15) और कृणाल पंड्या (01) के विकेट झटककर दोहरे झटके दिए जिससे स्कोर चार विकेट पर 91 रन हो गया।आरसीबी ने 10 ओवर में चार विकेट पर 100 रन बना लिए थे और उसे 60 गेंद में 56 रन बनाने थे। कोहली और टिम डेविड (24 रन) आराम से टीम को जीत के करीब ले गए। पर डेविड को अरशद खान ने आउट किया, तब स्कोर 132 रन था। फिर कोहली और जितेश शर्मा (नाबाद 11 रन) आराम से टीम को जीत तक ले गए। इससे पहले गुजरात टाइटन्स के लिए एकमात्र वॉशिंगटन सुंदर ही इस मुश्किल का सामना करते हुए 37 गेंद में पांच चौके से नाबाद 50 रन बना पाए। शुक्रवार को 'दूसरा क्वालीफायर' खेलने की थकान और मुल्लांपुर में खराब मौसम के कारण देरी से हुई रवानगी ने भी शायद उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया था। लेकिन आरसीबी के गेंदबाजों ने इस पिच पर ज्यादातर समय सही लाइन एवं लेंथ पर गेंदबाजी की। आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने शुरू से ही दबदबा बनाते हुए पावरप्ले में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (10) और साई सुदर्शन (12) के विकेट झटक लिए। गुजरात टाइटन्स को अपनी सलामी जोड़ी से अच्छी शुरूआत की उम्मीद थी जिससे टीमइन झटकों से उबर नहीं सकी। हालांकि टीम शुरू से ही धीमी शुरूआत करती रही है जो कोई नयी बात नहीं थी। लेकिन हेजलवुड (37 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर गिल ने जोरदार शॉट खेला और गेंद उनके बल्ले का किनारा चूमते हुए आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार के हाथों में चली गई।सुदर्शन एक बार डीआरएस की मदद से जैकब डफी की गेंद पर कैच आउट होने से बच गए थे लेकिन वह भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए। भुवनेश्वर (29 रन देकर दो विट) की एक सटीक, ऊंची और वाइड बाउंसर पर इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने खराब पुल शॉट खेला और विकेटकीपर जितेश शर्मा ने दौड़कर आसान कैच लपक लिया। गिल और सुदर्शन ने इस सत्र में 700 से ज्यादा रन बनाए थे। इन दोनों के आउट होने के बाद गुजरात टाइटन्स की की बल्लेबाजी पूरी तरह से लड़खड़ा गई। उनका पावर प्ले में स्कोर दो विकेट पर 45 रन रन था। बाकी बल्लेबाजों में पारी को संभालने का जोश और धैर्य नहीं दिखा। जोस बटलर (19) और वाशिंगटन पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रक्षात्मक खेलने से जूझते नजर आए। युवा तेज गेंदबाज रसिक सलाम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।उन्होंने निशांत सिंधु (18 गेंद में 20 रन) और राहुल तेवतिया के विकेट लिए। घरेलू टीम ने 100 रन के आंकड़े तक पहुंचने से पहले ही मुख्य बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे।

आईपीएल 2026 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, सबसे कम उम्र में जीती ऑरेंज कैप

राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती और सबसे कम उम्र में यह खिताब जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने शुभमन गिल और साई सुदर्शन को पीछे छोड़ा, जिसमें नॉकआउट मुकाबलों में खेली गईं उनकी महत्वपूर्ण पारियां निर्णायक साबित हुईं।आईपीएल 2026 ने भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा दे दिया है। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो अब तक आईपीएल इतिहास में कोई नहीं कर पाया था। महज 15 साल की उम्र में वैभव ने ऑरेंज कैप जीतकर नया इतिहास रच दिया है।मौजूद जानकारी के अनुसार वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 16 मैचों में 776 रन बनाए और टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। इसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास के सबसे कम उम्र के ऑरेंज कैप विजेता बन गए हैं।गौरतलब है कि अंतिम मुकाबले से पहले गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 722 रन और उनके साथी बल्लेबाज साई सुदर्शन 710 रन के साथ ऑरेंज कैप की दौड़ में बने हुए थे। हालांकि दोनों बल्लेबाज निर्णायक मुकाबले में बड़ा स्कोर बनाने में असफल रहे। शुभमन गिल केवल 10 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि साई सुदर्शन 12 रन ही बना सके। इसके चलते वैभव सूर्यवंशी का शीर्ष स्थान बरकरार रहा।बता दें कि वैभव ने पूरे सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए। उनके बल्ले से 63 चौके और 72 छक्के निकले, जो उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रमाण हैं। इस सत्र में उनका सर्वोच्च स्कोर 103 रन रहा। विशेष रूप से नॉकआउट मुकाबलों में खेली गई उनकी दो पारियां ऑरेंज कैप जीतने में बेहद महत्वपूर्ण साबित हुईं। उन्होंने एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 97 रन बनाए थे, जबकि क्वालीफायर–2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 96 रन की शानदार पारी खेली थी। इन दोनों पारियों ने उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे पहुंचा दिया

था।गौरतलब है कि इससे पहले आईपीएल इतिहास में सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड साई सुदर्शन के नाम था। उन्होंने आईपीएल 2025 में 23 वर्ष और 231 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब वैभव सूर्यवंशी ने उस रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया है।आईपीएल 2026 के ऑरेंज कैप की अंतिम सूची में वैभव सूर्यवंशी 776 रन के साथ पहले स्थान पर रहे। शुभमन गिल 732 रन के साथ दूसरे और साई सुदर्शन 722 रन के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं हेनरिक क्लासेन 624 रन और ईशान किशन 602 रन बनाकर शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल रहे।बता दें कि आईपीएल इतिहास में ऑरेंज कैप जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, क्रिस गेल, डेविड वॉर्नर, केन विलियमसन, जोस बटलर और शुभमन गिल जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। अब इस प्रतिष्ठित सूची में वैभव सूर्यवंशी का नाम भी जुड़ गया है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह की बल्लेबाजी वैभव ने इस सत्र में दिखाई है, वह आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में शामिल हो सकते हैं। कम उम्र में इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को दर्शाता है।

आरसीबी की डबल धमाका जीत पर हेजलवुड का बड़ा दावा- इस बार हम ज्यादा शांत थे, क्योंकि कोर टीम हमारे साथ थी

जोश हेजलवुड का मानना घ्है कि रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के रविवार को यहां लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने में टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखने की रणनीति काम आई जबकि उनके तेज गेंदबाज साथी भुवनेश्वर कुमार ने इस सफलता का श्रेय टीम की बेहतरीन योजना को दिया। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस ऐतिहासिक खिताबी जीत के बाद आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाजों जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार और ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने टीम की सफलता के पीछे के असल राज खोले हैं। खिलाड़ियों का मानना है कि फ्रेंचाइजी की कोर टीम को बनाए रखने की रणनीति और सटीक प्लानिंग ही इस बड़ी सफलता की मुख्य वजह रही।विराट कोहली की नाबाद 75 रन की पारी से आरसीबी ने गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराया। आरसीबी ने 156 रन का लक्ष्य 12 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। मैच के बाद हेजलवुड ने कहा, ''मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी ने टीम को बहुत अच्छे से तैयार किया है। सहयोगी स्टाफ भी बहुत बढ़िया है। जब हर तीन साल में टीमें बदलती हैं तो इतनी जल्दी ऐसा माहौल बनाना मुश्किल होता है। '' इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने कहा, ''यह (खिताब) सबसे ऊपर है। पिछले साल हमें अपनी पहली जीत के लिए काफी इंतजार करना पड़ा था। इस बार टीम के साथ ज्यादा सहज महसूस किया।पिछले साल जीत के साथ ही हमारे ऊपर से दबाव हट गया था। हम पूरे टूर्नामेंट में शांत और संयमित रहे। किसी न किसी खिलाड़ी ने हर बार आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली। हमें 10 बार 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता। '' इस सत्र में भुवनेश्वर कुमार के शानदार प्रदर्शन पर हेजलवुड ने कहा, ''मुझे कोई ऐसा मैच याद नहीं आता जिसमें उन्होंने 35 से ज्यादा रन दिए हों।उन्होंने विकेट भी लिए, जिससे हम निश्चिंत होकर खेल पाए। यह बहुत अच्छा रहा।'' वहीं इस सत्र में 28 विकेट लेने वाले भुवनेश्वर ने कहा, ''ट्रॉफी सबसे ज्यादा अहमियत रखती है। मैं इसके लिए 'पर्पल कैप' भी छोड़ सकता हूं। यह सत्र बहुत अच्छा रहा। इसके लिए हमने पहले से ही काफी योजना बनाई थी। '' उन्होंने कहा, ''जब आप विकेट लेते हैं,

तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है। किसी बड़े मैच में उतरते समय, पिछली जीतें आपको आत्मविश्वास देती हैं। हम अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे, और हमें इसी की जरूरत थी।''ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने कहा कि एक बार फिर खिताब जीतना उनके लिए एक बेहद खघस पल था। उन्होंने कहा, ''इसमें कोई शक नहीं कि यह सब कुछ बहुत खास है। यह बिल्कुल बच्चों के जन्म जैसा अनुभव है। आईपीएल का खिताब जीतना भी उतना ही मुश्किल काम है। इसलिए, मेरे लिए यह सब कुछ बहुत ही खघस है। '' उन्होंने कहा, ''जीत का बहुत सारा श्रेय सहयोगी स्टाफ को जाता है, मो बोबाट, एंडी फ्लावर, दिनेश कार्तिक। जीत का आधा श्रेय नीलामी को जाता है और हमने उसमें अच्छा काम किया। मुझे खुशी है कि हमने लगातार दो ट्रॉफियां जीतीं। 18 साल का इंतजार, लगातार दो ट्रॉफियां, यह बहुत खास है।'' कृणाल ने कहा, ''साथ ही विराट कोहली को भी श्रेय जाता है जिन्होंने 18 साल इंतजार किया और अब लगातार दो खिताब जीते हैं। '' जितेश शर्मा ने कहा कि आरसीबी ने खिताब के बारे में ज्यादा नहीं सोचा, बल्कि सिर्फ प्रक्रिया पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, ''जैसा कि मो ने पहले कहा था, हम बचाव नहीं कर रहे हैं, हम आक्रमण कर रहे हैं और किसी चीज का पीछा कर रहे हैं। हमारी मानसिकता खिताब का बचाव करने की नहीं थी।

15 साल का नया तेंदुलकर? सचिन बोले- सूर्यवंशी की बैटिंग में है कुछ खास बात

आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से धूम मचाने वाले 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की प्रतिभा के सचिन तेंदुलकर भी कायल हो गए हैं, जिन्होंने उन्हें भविष्य का टेस्ट क्रिकेटर बताया है। तेंदुलकर ने सूर्यवंशी की गेंद को जल्दी पढ़ने की क्षमता की सराहना की और जोर देकर कहा कि इस युवा खिलाड़ी के स्वाभाविक खेल को संरक्षित किया जाना चाहिए। बल्लेबाजी के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'विशेष' प्रतिभा करार दिया तथा कोच और मेंटोर (मार्गदर्शक) से भारतीय क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़ रहे इस खिलाड़ी के नैसर्गिक खेल में हस्तक्षेप नहीं करने का आग्रह किया। सूर्यवंशी ने पिछले सत्र में आईपीएल में पदार्पण किया था और सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमराह, कैगिसो रबाडा और पैट कमिंस सहित दुनिया के प्रमुख गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके खुद को नए मुकाम पर पहुंचा दिया। तेंदुलकर ने क्रिकइन्फो ऑनर्स में कहा, ''हर कोई सूर्यवंशी के बारे में बात कर रहा है। मैंने उन्हें बल्लेबाजी करते देखा और यह शानदार अनुभव था। मेरा मतलब है कि वह वाकई में कुछ खास हैं।उनकी सिर्फ गेंद को हिट करने की क्षमता ही नहीं, बल्कि कलाई का कमाल भी मुझे बहुत प्रभावित कर गया।'' बिहार के समस्तीपुर के 15 वर्षीय खिलाड़ी सूर्यवंशी ने इस आईपीएल के वर्तमान सत्र में 237.31 के शानदार स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। तेंदुलकर ने कहा, ''मैदान के हर कोने में खेलने के लिए कलाई का अच्छा इस्तेमाल जरूरी है। वह गेंद को जोर से नहीं मारता। वह बाकी बल्लेबाजों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को काफी पहले समझ लेता है और आसानी से छक्का जड़ देता है।''तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सूर्यवंशी में भविष्य में टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने की प्रतिभा है, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस किशोर खिलाड़ी से उनके करियर की शुरुआत में ही बहुत अधिक उम्मीद करना सही नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं उनसे यही कहूंगा कि वे बस खुद जैसे हैं वैसे ही बने रहें। हर चीज की शुरुआत होती है। टेस्ट क्रिकेट में उम्र के साथ–साथ वह विभिन्न चुनौतियों से निपटना सीखेंगे। यह समस्या का समाधान करने की मानसिकता से जुड़ा है।'' तेंदुलकर ने कहा, ''समस्याएं तो हमेशा बनी रहेंगी। आपके करियर की आखिरी दिन और आखिरी गेंद तक समस्याएं बनी रहेंगी।गेंदबाज आपके सामने चुनौती पेश करता है और यह आप पर निर्भर है कि आप उससे कैसे निपटते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे देखकर लगता है कि वह उसमें आत्मविश्वास कूट–कूट कर भरा है। वह जानता है कि उसे क्या करना है और इसलिए मैं उसकी नैसर्गिक प्रवृत्ति

के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहूंगा।'' तेंदुलकर का मानना घ्है कि सहज दृष्टिकोण को बनाए रखना इस युवा खिलाड़ी के विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा।उन्होंने कहा, ''जिस तरह से वह गेंद को देखता है और जिस तरह से वह उस पर प्रतिक्रिया करता है, अगर उसमें किसी तरह का व्यवधान डाला जाता है तो यह सबसे बड़ी चुनौती होगी। मैं उसे अपने नैसर्गिक अंदाज में खेलने की आजादी दूंगा। समय के साथ–साथ वह खेल की अन्य चुनौतियों से निपटना भी सीख जाएगा।'' तेंदुलकर ने कहा, ''केवल मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें किसी न किसी स्तर पर (टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए) देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा।'' इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, ''लेकिन किसी भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की जरूरत होती है। अगर वह अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो हमें उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। हमें उसके खेल का आनंद लेना चाहिए और उस पर का दबाव नहीं डालना चाहिए।

कैंसर के इलाज में एक बड़ी उम्मीद जगाते हुए, नई दवा

कैंसर के इलाज में एक बड़ी उम्मीद जगाते हुए, नई दवा आइवोनेसिमैब ने फेफड़ों के कैंसर के मरीजों में मृत्यु के जोखिम को 34: तक घटा दिया है। हालांकि चीन में हुए परीक्षण के परिणाम उत्साहजनक हैं, पर चिकित्सा जगत में इसकी व्यापक स्वीकृति वैश्विक परीक्षणों के नतीजों पर निर्भर करेगी। फेफड़ों के कैंसर के इलाज को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रगति सामने आई है। हाल ही में जारी एक अध्ययन के अनुसार, एक नई प्रयोगात्मक दवा ने अंतिम चरण के परीक्षण में मौत के खतरे को 34 प्रतिशत तक कम करने में सफलता हासिल की है। चिकित्सा जगत में इस परिणाम को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि फेफड़ों का कैंसर दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण बना हुआ है।मौजूद जानकारी के अनुसार, यह दवा चीन की जैव प्रौद्योगिकी कंपनी अकेसो और उसकी साझेदार कंपनी समिट थेराप्यूटिक्स द्वारा विकसित की गई है।

एशियाई बाजारों में मजबूती से सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती तेजी, आईटी शेयरों में उछाल

एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुझान के अनुरूप सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 206.16 अंक चढ़कर 74,981.90 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 42.65 अंक की बढ़त के साथ 23,604.80 अंक पर रहा।पिछले कारोबारी सत्र (शुक्रवार) की भारी गिरावट के बाद, हफ्ते के पहले दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर हरे निशान के साथ वापसी की है। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक वैश्विक संकेतों के दम पर घरेलू शेयर बाजार के दोनों मुख्य सूचकांकक् बीएसई सेंसेक्स (ठैम्"मदेम•) और एनएसई निफ्टी (छैम्‍ छपजिल) शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। शुरुआती दौर में बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख

सूचकांक सेंसेक्स 206.16 अंक चढ़कर 74,981.90 अंक पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 42.65 अंक की बढ़त के साथ 23,604. 80 अंक पर कारोबार करता देखा गया।सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से एशियन पेंट्स, इंटरग्लोब एविएशन, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक बढ़त में रहे।

वहीं सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे जबकि चीन का एसएसई कम्पोजिट गिरावट में रहा।

अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 2.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 93.15 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने 21,105.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 42 रुपये महंगा, घरेलू रसोई गैस की दरों में बदलाव नहीं

होटल और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाली वाणिज्यिक द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमत 19 किलोग्राम के सिलेंडर पर सोमवार को 42 रुपये बढ़ा दी गई लेकिन घरों में इस्तेमाल होने वाली रसोई गैस की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया।होटल और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाली वाणिज्यिक द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमत 19 किलोग्राम के सिलेंडर पर सोमवार को 42 रुपये बढ़ा दी गई लेकिन घरों में इस्तेमाल होने वाली रसोई गैस की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 3,071.50 रुपये से बढ़ाकर 3,113. 50 रुपये कर दी गई है। घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 913 रुपये ही है और इसमें बदलाव नहीं किया गया है।ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी शायद सिर्फ बिजनेस तक ही सीमित न रहे। ज्यादा ऑपरेटिंग खर्च अक्सर सामान और सेवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण बनते हैं, खासकर भोजन, ट्रांसपोर्ट और हॉस्पिटैलिटी से जुड़े सेक्टरों में।नतीजतन, ग्राहकों को धीरे–धीरे भोजन, डिलीवरी और दूसरी रोजमर्रा की सेवाओं के लिए ज्यादा पैसे देने पड़ सकते हैं। अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी आने वाले महीनों में महंगाई का दबाव भी बढ़ा सकती है।घरेलू स्च्ळ की कीमतें वही रहेंगीजहाँ एक तरफ कमर्शियल इस्तेमाल करने वालों को ज्यादा खर्च उठाना पड़ रहा है, वहीं घरों के लिए कुछ राहत है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि घरों में खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले घरेलू स्च्ळ सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

शाहिद कपूर ने फैंस को दिखाया अपना बचपन का स्वैग

अभिनेता शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल–2 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। शनिवार को अभिनेता ने फैंस के साथ अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेता ने तस्वीर पोस्ट की। इसमें छोटा–सा शाहिद मोटरसाइकिल के पास खड़े होकर बड़े ही स्वैग के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में शाहिद कपूर का अंदाज वाकई देखने लायक है। इस फोटो को शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, जब आपको बाइक्स का बेहद शौक हो और आपको खुद भी इस बात का अंदाजा न हो... जैसा कि आप इस फोटो में देख सकते हैं, मेरा फैशन सेंस भी बचपन से ही काफी शानदार था।अभिनेता शाहिद कपूर जल्द ही आगामी फिल्म कॉकटेल–2 में नजर आएंगे। यह फिल्म सुपरहिट रोमांटिक ड्रामा फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। फिल्म का संगीत प्रीतम द्वारा तैयार किया गया है। इसका रोमांटिक ट्रैक तुझको, सॉन्ग माशूका और जब तलक पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।आधुनिक रिश्तों और भावनात्मक उलझनों पर आधारित इस फिल्म में एक नया और दिलचस्प लव–ट्रायंगल देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी बिल्कुल नए किरदारों के साथ आज के दौर के आधुनिक रिश्तों पर आधारित है। बताया जा रहा है कि इसमें कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल के

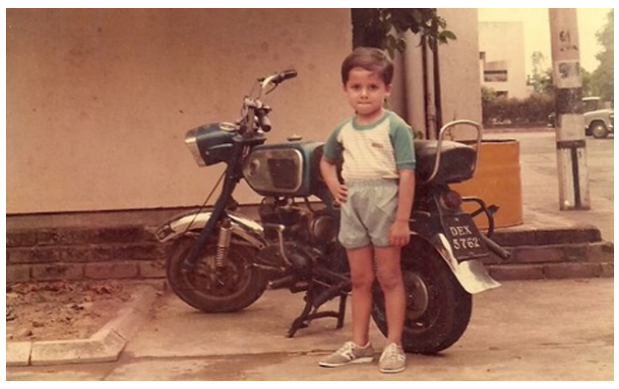

रूप में नजर आ सकती हैं, जबकि शाहिद कपूर लव–ट्रायंगल का हिस्सा होंगे।

होमी अदजानिया इसके निर्देशक हैं, जिन्होंने पहली कॉकटेल का निर्देशन भी किया था। यह पहली बार है जब शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना एक साथ किसी फिल्म में स्क्रीन शेयर कर रहे हैं।फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में दिखेगा खतरनाक रूप

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में अल्फा किलर की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है।

सूत्रों ने बताया, आज के समय में नायक–नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। अल्फा में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।

उन्होंने आगे कहा, इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।

वाईआरएफ के प्रवक्ता ने आईएएनएस से कहा, हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को अल्फा के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।

यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला–प्रधान फिल्म अल्फा में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं,

कबाड़ की दुकान से 200 पुराने टायर मंगवाकर किया था शाहरुख खान का फोटोशूट डब्बू रत्नानी

मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी अपने सेलिब्रिटीज के बेहतरीन फोटोशूट के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अभिनेत्री पूजा भट्ट के पॉडकास्ट में अभिनेता शाहरुख खान के साथ काम करने के पुराने अनुभवों को याद करते हुए फोटोशूट के बिहाइंड–द–सीन्स के किस्से शेयर किए। शनिवार को अभिनेत्री पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर ऑडियो पॉडकास्ट क्लिप पोस्ट किया। इस पर डब्बू रत्नानी ने बताया कि शाहरुख के साथ उनके ज्यादातर शूट मन्नत में हुए हैं। उन्होंने याद किया कि कैसे शाहरुख खान के बेफिक्र और स्वाभाविक पल उनकी सबसे यादगार तस्वीरों में बदल जाते थे। वह कुत्ते के साथ खेल रहे थे और मैंने उसी वक्त उनकी नेचुरल तस्वीरें खींची थी। फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी ने एक और वाक्य याद करते हुए बताया कि उन्होंने कबाड़ की दुकान से आइडिया लेकर शाहरुख का फोटोशूट किया था। उन्होंने कहा, एक बार मैं अपनी गाड़ी के टायर बदलवाने एक दुकान पर गया था। वहां एक आदमी पुराने टायरों को उठाकर टेम्पो में डाल रहा था। मुझे वह कबाड़ जैसा दिखने वाला बैकग्राउंड बहुत पसंद आया। मैंने तुरंत उस दुकान वाले से बात की और करीब 200 पुराने–फटे टायर महबूब स्टूडियो मंगवा लिए और उन्हीं टायरों की मदद से सेट तैयार किया गया और फिर शाहरुख खान का वह यादगार शॉट लिया गया।पूजा भट्ट ने डब्बू रत्नानी से

सवाल करते हुए कहा, आपने सच में शाहरुख को बहुत स्मार्ट दिखाया है। साथ रहते हुए उनमें कुछ ऐसा बदलाव आता है जो वे किसी और के साथ नहीं दिखाते।इस पर डब्बू ने शाहरुख खान के साथ को याद करते हुए बताया कि कैसे वे बेफिक्र और स्वाभाविक पल उनकी सबसे यादगार तस्वीरों में बदल जाते थे। उन्होंने कहा, एक बार शाहरुख ओशिवारा में मेरे स्टूडियो आए थे। वहां वह मेरे पालतू कुत्ते फ्लेश के साथ खेलने में व्यस्त हो गए।

ग्लैमरस अंदाज और दमदार किरदार... कीर्ति कुल्हारी और जेनिफर विंगेट लाखों दिलों पर करती हैं राज

30 मई... कैलेंडर में दर्ज सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि यह दिन मनोरंजन जगत की दो ऐसी अभिनेत्रियों का जन्मदिन भी है जिन्होंने अपने टैलेंट, खूबसूरती और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। हम बात कर रहे हैं कीर्ति कुल्हारी और जेनिफर विंगेट की। दोनों का जन्म 30 मई 1985 को हुआ था। एक तरफ कीर्ति कुल्हारी ने फिल्मों और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग छाप छोड़ी तो वहीं जेनिफर विंगेट टीवी इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय और स्टाइलिश अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। कीर्ति कुल्हारी का नाम उन अभिनेत्रियों में लिया जाता है जिन्होंने हमेशा अलग और मजबूत किरदारों को चुना। राजस्थान के झुंझुनू में जन्मी कीर्ति ने अपने करियर की शुरुआत साल 2010 में फिल्म खिचड़ीरू द मूवी से की थी। हालांकि उन्हें असली पहचान फिल्म शैतान से मिली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पिंक, उरीरू द सर्जिकल स्ट्राइक, मिशन मंगल, इंदु सरकार और क्रिमिनल जस्टिस जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में शानदार अभिनय किया। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी कीर्ति कुल्हारी ने अपनी अलग पहचान बनाई। वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज! और ह्यूमन में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। दर्शकों को उनका बोल्ड और कॉन्फिडेंट अंदाज खूब पसंद आता है। यही वजह है कि आज कीर्ति लाखों लोगों की पसंदीदा अभिनेत्री बन चुकी हैं।

अगर उनकी निजी जिंदगी की बात करें तो कीर्ति ने साल 2016 में अभिनेता साहिल सहगल से भूटान में शादी की थी। दोनों की शादी काफी चर्चित रही, लेकिन साल 2021 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। कीर्ति ने तलाक के बाद खुलकर कहा था कि यह फैसला उनके आत्मसम्मान और पर्सनल ग्रोथ के लिए जरूरी था। फिलहाल उनका नाम अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ जोड़ा जाता है और दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वहीं, जेनिफर उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने छोटे पर्दे पर अपने अभिनय से अलग मुकाम हासिल किया। मुंबई में जन्मी जेनिफर ने बहुत छोटी उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म अकेले हम अकेले तुम से करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह कई फिल्मों में नजर आईं, लेकिन उन्हें असली पहचान टीवी इंडस्ट्री से मिली।शाका लाका बूम बूम, कसौटी जिंदगी की, दिल मिल गए, सरस्वतीचंद्र, बेहद और बेपनाह जैसे सुपरहिट शोज ने जेनिफर को घर–घर में मशहूर बना दिया। खासतौर पर श्बेहदच्य में माया के किरदार ने उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी। जेनिफर सिर्फ खूबसूरत ही नहीं बल्कि बेहद शानदार अभिनेत्री भी हैं। उनके एक्सप्रेशंस और स्क्रीन प्रेजेंस के लाखों लोग दीवाने हैं। जेनिफर ने टीवी के साथ–साथ ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा और वेब सीरीज कोड एम में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्हें कई बड़े पुरस्कार भी मिल चुके हैं और वह टीवी इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। जेनिफर की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही। अभिनेता करण सिंह ग्रोवर के साथ उनकी लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की चर्चित कहानियों में से एक रही। दोनों की मुलाकात शो के सेट पर हुई थी और धीरे–धीरे दोनों करीब आ गए। साल 2012 में दोनों ने शादी कर ली, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया और दोनों अलग हो गए। तलाक के बाद जेनिफर ने खुद को संभाला और अपने करियर पर पूरा फोकस किया। आज वह अपनी सिंगल लाइफ को खुलकर एंजॉय कर रही हैं।

रानी चटर्जी ने शेयर किया लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी का बीटीएस वीडियो

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों अपनी फिल्म लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी को लेकर चर्चा में हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म के धमाकेदार गाने यू. पी. वाली बिहार वाली का पर्दे के पीछे का वीडियो शेयर किया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में रानी के साथ उनकी सह–कलाकार संजना भी नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां गाने की धुन पर अच्छे से परफॉर्म करती दिख रही हैं। इसमें फिल्म के डायरेक्टर (निर्देशक) दोनों अभिनेत्रियों को गाने के स्टेप्स और उसके पीछे के भावों को गहराई से समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने फैंस से पूछते हुए लिखा, क्या आपने गाना सुना?

इस फिल्म में रानी उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं जबकि संजना बिहार की रहने वाली हैं। यह कहानी एक ही घर में रहने वाली दो अलग–अलग राज्यों की बहू के बीच होने वाली छोटी–छोटी नोकझोंक और प्यार भरे झगड़ों पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक तरफ लखनऊ की शानोशौकत वाली यूपी की लड़की और दूसरी तरफ अपनी सादगी और परंपराओं को मानने वाली बिहार की लड़की के बीच मजेदार मुकाबले होते हैं।

लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी के निर्देशक मंजुल ठाकुर हैं जबकि फिल्म के निर्माता संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी हैं।फिल्म में रानी चटर्जी जेठानी के किरदार में हैं तो संजना पांडे देवरानी के किरदार में हैं। दोनों ही भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। फिल्म का पहले नाम यू. पी. वाली बिहार वाली था लेकिन मेकर्स ने रिलीज से पहले ही इसका नाम बदलकर लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी रख दिया था। फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 23 मई और 24 मई को बी4यू भोजपुरी चौनल पर हुआ था, जिसके बाद इसे दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है, पेड्डी को लेकर बोलीं जाह्नवी कपूर

आगामी फिल्म पेड्डी को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं। साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है।उन्होंने कहा, मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला।

पेशे रावल 9 साल की उम्र में थिएटर में बिना टिकट घुसने वाला बच्चा कैसे बना भारतीय सिनेमा का दिग्गज अभिनेता?

भारतीय अभिनेता परेश रावल ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग, कॉमिक टाइमिंग और गंभीर किरदारों से करोड़ों दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि जब वह छोटे थे, तो थिएटर में बिना टिकट घुसकर नाटक देखा करते थे, लेकिन आज उनकी फिल्मों के लिए करोड़ों लोग टिकट खरीदने के लिए आगे रहते हैं और उनकी काम की सराहना करते हैं। परेश रावल का जन्म 30 मई 1955 को मुंबई में एक गुजराती परिवार में हुआ था। उनका बचपन मुंबई के पार्ले ईस्ट इलाके में बीता, जहां पास ही एक ओपन थिएटर ग्राउंड हुआ करता था। वहीं से उनके अंदर अभिनय के प्रति रुचि पैदा हुई। बचपन में वह पढ़ाई के साथ–साथ बेहद शरारती भी थे, लेकिन उनका सबसे बड़ा जुनून थिएटर था। बताया जाता है कि सिर्फ 9 साल की उम्र में वह बिना टिकट नाटक देखने थिएटर में घुस जाया करते थे। कई बार उन्हें पकड़कर बाहर निकाल दिया जाता था, लेकिन उनकी दीवानगी कभी कम नहीं हुई। एक बार जब वह बार–बार थिएटर में घुसने की कोशिश करते पकड़े गए तो थिएटर के लोगों ने उनके जुनून को समझा और उन्हें प्ले देखने की अनुमति दी। धीरे–धीरे उन्हें वहां छोटे–छोटे रोल भी मिलने लगे। यही उनके करियर का पहला आधार बना।

शुरुआती दौर में परेश रावल ने बैंक ऑफ बड़ौदा में नौकरी शुरू की, लेकिन उनका मन वहां नहीं लगता था। उन्होंने कुछ ही दिनों में नौकरी छोड़ दी और पूरी तरह से अभिनय की दुनिया में आ गए।फिल्मी करियर की शुरुआत उन्होंने 1984 में फिल्म होली से की, और फिर 1985 में अर्जुन जैसी कई फिल्मों में छोटे–छोटे रोल निभाए। असली पहचान उन्हें 1986 की फिल्म नाम से मिली, जहां उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्होंने 80 और 90 के दशक में लगातार काम किया और लगभग 100 से ज्यादा फिल्मों में खलनायक की भूमिकाएं निभाईं। राम लखन, मोहरा, क्रांतिवीर और दामिनी जैसी फिल्मों में उनका अभिनय काफी सराहा गया।

परेश रावल ने विलेन के अलावा कई गंभीर और कॉमिक किरदारों को भी निभाया। साल 2000 में आई फिल्म हेरा फेरी ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। इस फिल्म में उनका किरदार बाबूराव गणपत आप्टे इतना लोकप्रिय हुआ कि आज भी वह भारतीय कॉमेडी सिनेमा का एक यादगार चेहरा माना जाता है।

इसके बाद उन्होंने हंगामा, गरम मसाला, भूल भुलैया, वेलकम, गोलमाल सीरीज और ओह माय गॉड जैसी फिल्मों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने साबित किया कि वह हर तरह के किरदार में फिट हो सकते हैं, चाहे वह कॉमेडी हो या गंभीर किरदार। उनके काम को कई बड़े पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, एक बार फिल्मफेयर अवॉर्ड और साल 2014 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।